

बच्चा चोर के अफवाह से निपटने के लिए कुंडहित पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

राष्ट्र संवाद संवाददाता

कुंडहित, प्रतिनिधि।

पिछले कुछ दिनों के दौरान पहले कुंडहित के बनकाठी फिर नाटुलतला में बच्चा चोर की उड़ी अफवाह और इस वजह से ग्रामीणों के बीच हुई अफरा तफरी को लेकर कुंडहित पुलिस सतर्क हो गई है। बुधवार को थाना प्रभारी सहित पुलिस अधिकारियों द्वारा प्रखंड मुख्यालय के अलावा सहित विभिन्न गांवो में जाकर ग्रामीणों और स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों से मुलाकात की गई और उन्हें बच्चा चोर के उड़ रहे अफवाह के बाबत जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि किसी प्रकार की संदेहजनक स्थिति होने पर सबसे पहले पुलिस को सूचित करें और



कानून अपने हाथ में ना ले। थाना प्रभारी विनय कुमार यादव ने बताया कि बच्चा चोरी के मद्देनजर कभी-कभी माँव लिंचिंग की घटनाएं घट जाती है जिसका

खामियाजा अंतत ग्रामीणों को ही उठाना पड़ता है। ऐसे में इस स्थिति से निपटने के लिए ग्रामीणों को जागरूक करने का प्रयास किया जा

रहा है ताकि इस प्रकार की स्थिति होने पर ग्रामीण कानून अपने हाथ में लेने से बचे और हर छोटी से बड़ी सूचना तत्काल पुलिस को दें

ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। थाना प्रभारी श्री यादव ने बताया कि अभी तक क्षेत्र में बच्चा चोरी का कोई मामला सामने नहीं

आया है बावजूद इसके आगे भी क्षेत्र में इस तरह का अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा।



राष्ट्र संवाद संवाददाता

जामताड़ा जिले में एक बड़ी सफलता मिली है, जहां पुलिस ने पेट्रोल पंप पर लूट और हत्या के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह घटना जामताड़ा दुमका मुख्य सड़क के किनारे स्थित नयरा पेट्रोल पंप पर हुई थी, जहां तीन अज्ञात अपराधियों ने पेट्रोल पंप कर्मचारी जनार्दन मांजी की हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी फिरोज अंसारी को गिरफ्तार किया है, जो कि देवघर जिले के चित्रा थाना क्षेत्र के जमनीटांड गांव का निवासी है। पुलिस ने फिरोज अंसारी के घर से एक पिस्टल और दो जिंदा गोलियां बरामद की हैं, जो कि इस हत्या में उपयोग किए गए थे। इसके अलावा, पुलिस ने आरोपी की

मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। जामताड़ा के पुलिस अधीक्षक डॉ एहतेशाम वाकरीब ने बताया कि फिरोज अंसारी एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस मामले में पुलिस ने एक टीम का गठन किया था, जिसमें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, नाला मनोज कुमार महतो, पुलिस निरीक्षक, कुण्डहित प्रभाग - मो० फारुक, पु०अ०नि० रंजीत प्रसाद गुप्ता (थाना प्रभारी, फतेहपुर थाना), पु०अ०नि० विनय कुमार यादव (थाना प्रभारी, कुण्डहित थाना), पु०अ०नि० बालाजी राजहंस (थाना प्रभारी, बिन्दापाथर थाना) शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने इस बिल का समर्थन किया

राष्ट्र संवाद संवाददाता

बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक बिल लाया गया इसको लेकर देश का सियासी पारा गर्म है। कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल इस बिल के विरोध में है। वहीं अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों में भी इस बिल को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। इस बीच नेताओं की प्रतिक्रियाएं भी आ रहे हैं। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने इस बिल का



समर्थन किया है। बुधवार को मीडिया को दिए एक बयान में उन्होंने कहा कि यह मामला देश हित में है। इसलिए सभी का साथ मिलना चाहिए, खऊब हो या ठूठूह हर कोई इस आने वाले निर्णय पर एक साथ है, और देश में खुशी का माहौल दिख रहा है,

गोड्डा-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस में आज से अतिरिक्त कोच, 72 नई बर्थ की सुविधा



ए बी सिद्दीकी

गोड्डा: यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने गोड्डा-दुमका-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस में आज से एक अतिरिक्त कोच जोड़ने का फैसला किया है। इससे ट्रेन में कोचों की कुल संख्या बढ़कर 17 हो जाएगी। इस अतिरिक्त कोच के जुड़ने से यात्रियों की 72 नई बर्थ उपलब्ध होंगी, जिससे सफर और अधिक सुगम और आरामदायक होगा।

यह सुविधा 1 जुलाई 2025 तक लागू रहेगी। गोड्डा रेलवे स्टेशन से चलने वाली इस महत्वपूर्ण ट्रेन में हर दिन बड़ी संख्या में यात्री सफर करते हैं। ऐसे में कोच की संख्या बढ़ाए जाने से यात्रियों को टिकट मिलने में आसानी होगी और वेस्टिंग लिस्ट की समस्या भी कुछ हद तक कम हो सकेगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे इस नई व्यवस्था का लाभ उठाएं और सफर के दौरान निर्धारित नियमों का पालन करें।

कुंडहित बीडीओ के अगुवाई में मंदिर परिसर में चलाया गया स्वच्छता अभियान

राष्ट्र संवाद सं

जामताड़ा: दिनांक 25 मार्च को ईद, सरहुल एवं रामनवमी त्योहार के उपलक्ष्य में कुंडहित थाना में आयोजित शांति समिति के बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद जमाले राजा के अगुवाई में कुंडहित स्थित सिंह वाहिनी मंदिर परिसर में बसंती पूजा के

शुभ अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण प्रकल्प जामताड़ा के बैनर के साथ स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम किया गया। जिसमें विशेष रूप से थाना प्रभारी विनय कुमार यादव, जिला परिषद सदस्या रीना मंडल, प्रमुख राम किशोर मुर्मू, पूर्व जिला परिषद सदस्य भजहरी मंडल, थाना के स्टाफ, प्रखंड के स्टाफ, प्रखंड

समन्वयक (एस बी एम जी) मोहम्मद रफिक हुसैन एवं प्रखंड समन्वयक (आई एस ए) आशीष गोप, कुंडहित प्रखंड, बसंती पूजा/राम नवमी पूजा समिति तथा कुंडहित प्रखंड के विभिन्न ग्राम से आए हुए लगभग 50 जल सहिया गण यथा बेबी रानी नायक, बुल्टी चौधुरी, कालकी घोष, शिखा चौधुरी, रेखा किस्कू, सजनी मरांडी, बसिनी मुर्मू, रंजू गोरगई,

सैयदा बीबी, रिंकू फौजदार, माधवी बागती, प्रेमलता टुडू, अर्जंती सोरेन, सोनाली बाघकर,पानमुनी मुर्मू, टुंगा पाल, सारथी हेन्ड्रम, गंगा चौधुरी आदि मौजूद रहकर कार्यक्रम को सफल किया। सर्व प्रथम सभी पदाधिकारी एवं जल सहियाओं को मास्क एवं हैंड ग्लैण्ड दिया गया तथा झाड़ू लेकर पूरा मंदिर परिसर का भीतर एवं बाहर कूड़ा कचड़ा का साफ-



सफाई किया गया। उसके बाद प्रखंड प्रशासन के ओर से 06 (छः) डस्टबिन को पूजा स्थल के

भीतर एवं बाहर विभिन्न स्थान में सेट किया गया। ताकि कचड़ा का सही निपटान हो सके।

लखनऊ जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने पदभार ग्रहण किया नेतृत्व पर भरोसा जताया

शशि भूषण दूबे कंचनीय/रोमेश रंजन रोशन लखनऊ। विगत दिनों अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में नवनियुक्त जिला शहर अध्यक्ष पद का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। इसी क्रम में आज जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रूद्र दमन सिंह ने आज अपने सूकटों की संख्या में समर्थकों के साथ प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी ने नवयुक्त

जिलाध्यक्ष श्री रूद्र दमन सिंह को चार्ज सौंपा और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह ने राजधानी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रूद्र दमन सिंह को बधाई देते हुए कहा कि मुझे आशा है कि आप जिले के सभी नये एवं पुराने कांग्रेसजनों को साथ लेकर संगठन को ताकत देने का काम करेंगे। श्री सिंह ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी एवं श्रीमती प्रियंका गांधी जो समाज के प्रत्येक वर्ग के हित की रक्षा एवं अधिकारों के

लिए लड़ाई लड़ रहे हैं आप उन्हें ताकत देने का काम करेंगे। पदभार ग्रहण करने के उपरांत नवनियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने जो मुझ पर भरोसा जताया है मैं उस पर पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ खरा उतरने की कोशिश करूंगा। जिले के सभी नये एवं पुराने कांग्रेसजनों को साथ लेकर संगठन को बृथ स्तर तक मजबूत करके राहुल गांधी एवं श्रीमती प्रियंका गांधी के हाथों को मजबूत करने का काम किया जायेगा। इस मौके पर पूर्व विधायक सतीश



अजमानी, श्याम किशोर शुक्ला, इन्दल रावत उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान महासचिव मुकेश सिंह चौहान, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव

त्यागी, डॉ0 शहजाद आलम, पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव, हबीबुल्लाहमान, रामपाल यादव, डॉ0 रिचा कौशिक, बृजेन्द्र सिंह, संतोष द्विवेदी, नितांत सिंह, मतलूम रजा, राजकुमार वर्मा,

महादीन रावत, एस0के0 गौतम, संतोष मौर्या, सर्वजीत यादव, मो0 शालू, विपिन द्विवेदी, देवानंद तिवारी, शकिर अली मुन्ना, अरविंद मुन्ना, डी0पी0 सिंह, आदि मौजूद रहे।

मुस्लिम विरोधी है वक्फ संशोधन बिल: एसडीपीआई



पाकुड़। लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन बिल को जैसे ही सदन के पटल पर रखा वैसे ही पूरे देश में एसडीपीआई ने इसके विरुद्ध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सदर ब्लॉक पाकुड़ के चांचकी में भी एसडीपीआई के द्वारा प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शन में शामिल एसडीपीआई के प्रदेश अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य मो0 हंजैला शेख ने इस बिल को असंवैधानिक करार देते हुए कहा कि यह वक्फ संशोधन बिल मुस्लिम विरोधी है तथा संशोधन के जरिए केंद्र की भाजपा सरकार वक्फ की संपत्ति को अपने कब्जे में लेकर अपने मित्रों को सौंपने के फिराक में है। वक्फ जो कि पूरी तरह से

मुस्लिमों से जुड़ी चीज है, इसमें अन्य समुदाय के लोगों को कैसा जोड़ा जा सकता है। इस बिल के माध्यम से बीजेपी हुकूमत वक्फ बोर्ड में गैर- मुस्लिम समुदाय के लोगों को जोड़कर संवैधानिक मूल्यों को रौंदने का काम कर रही है। वहीं प्रदेश उपाध्यक्ष हबीबुर रहमान ने कहा कि इस बिल के खिलाफ पूरे देश में एसडीपीआई ने सबसे ज्यादा विरोध प्रदर्शन किया है। यही वजह है कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष एम के फैजो साहब को बदले की राजनीति कर केन्द्र सरकार ने ईडी के द्वारा गिरफ्तार करवा दिया। प्रदर्शन में वक्फ संशोधन बिल को वापस लो, वापस लो, मोदी तेरी तानाशाही नहीं चलेगी।

वक्फ बोर्ड के बिल पर कांग्रेस ने जताया विरोध,कहा मुसलमानों की संपत्ति को हड़पने की साजिश: मनोवर हिरणपुर: कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मो. मनोवर आलम ने बुधवार को लोक सभा में पेश की गई वक्फ बिल पर केंद्र सरकार पर बड़ा वार किया है. इस बाबत मनोवर आलम ने कहा कि मुस्लिमों का हक छीनकर 'सौगात' का पैकेट अल्पसंख्यकों को पकड़ाया जा रहा है. कहा कि वक्फ बिल पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जानना चाहता हूं कि सिर्फ मुसलमानों का वोट लेकर मुसलमानों का खिलाफ करना ही इनका पेशा है। आज भी मुसलमान सुघर जाये और वोट बैंक किसी का ना बने।

कानूनी प्रक्रिया और न्यायिक सिद्धांतों का सम्मान जरूरी



सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज में की गई तोड़-फोड़ पर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर तीखी टिप्पणी की है। भारत की सबसे बड़ी अदालत ने कहा है कि कानून के शासन में किसी के घर को इस तरह से नहीं ढहाया जा सकता है। कोर्ट ने योगी आदित्यनाथ की सरकार और प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी के बुलडोजर एक्शन को अमानवीय और गैरकानूनी कहा है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार की बुलडोजर कार्रवाई पर की गई यह टिप्पणी भारतीय लोकतंत्र और कानून के शासन की बुनियादी समझ को रेखांकित करती है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि बिना उचित कानूनी प्रक्रिया अपनाए किसी नागरिक के घर को ढहाना न केवल अमानवीय बल्कि असंवैधानिक भी है। यह निर्णय न केवल प्रभावित व्यक्तियों को न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि भविष्य में कानून के शासन की मर्यादा बनाए रखने के लिए एक मिसाल भी प्रस्तुत करता है।

प्रयागराज में 2021 में की गई यह तोड़फोड़ कई स्तरों पर सवाल उठाती है। प्रशासन ने यह दावा किया था कि इन घरों का संबंध अपराधिक तत्वों से था, लेकिन न्यायपालिका का मानना है कि मध्य किसी आरोप के आधार पर किसी की संपत्ति को नष्ट कर देना अन्यायपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट ने इस कृत्य को 'अमानवीय और गैरकानूनी' करार देते हुए पीड़ितों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया।

यह पहला अवसर नहीं है, जब अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। पिछले वर्ष भी शीर्ष अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा था कि किसी व्यक्ति के घर को केवल संदेह के आधार पर गिराना कानून के शासन के खिलाफ है। न्यायालय के अनुसार, किसी भी विध्वंस से पहले नोटिस जारी किया जाना अनिवार्य है, ताकि व्यक्ति को अपनी संपत्ति के पक्ष में कानूनी बचाव का अवसर मिले। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में बुलडोजर नीति को एक राजनीतिक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने इसे अपराधियों और माफियाओं के विरुद्ध एक कठोर नीति के रूप में प्रचारित किया। हालाँकि, यह देखा गया कि प्रशासन द्वारा बुलडोजर का उपयोग कई बार राजनीतिक विरोधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सरकार की नीतियों का विरोध करने वालों के खिलाफ भी किया गया। इससे यह सवाल उठता है कि क्या यह नीति वास्तव में अपराध नियंत्रण का साधन है या फिर सत्ता के विरोधियों को दबाने का एक उपकरण?

विशेषज्ञों का मानना है कि कानून और न्यायिक प्रक्रिया की अनदेखी करके की गई कार्रवाई केवल अराजकता को जन्म देती है। यदि, किसी व्यक्ति पर अपराधिक आरोप हैं, तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, न कि उसकी संपत्ति को अवैध रूप से

ध्वस्त कर दिया जाए। मानवाधिकार संगठनों और नागरिक समाज ने भी इस प्रकार की बुलडोजर कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। कई रिपोर्टों में यह सामने आया है कि प्रभावित लोगों को विध्वंस से पहले कोई कानूनी नोटिस नहीं दिया गया था, सपने और भावनाएं संधिधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिलने वाले 'जीवन और स्वतंत्रता' के अधिकार का उल्लंघन है।

संविधान विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार का यह दायित्व है कि वह नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करे, न कि उन्हें मरामाने प्रशासनिक निर्णयों के जरिए कुचले। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि बिना नोटिस और कानूनी प्रक्रिया के उल्लंघन कर की गई कोई भी विध्वंस कार्रवाई संविधान की मूल आत्मा के खिलाफ है।

बुलडोजर कार्रवाई से प्रभावित परिवारों की हालत बेहद दयनीय हो गई है। एक घर केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं होता, बल्कि उसमें रहने वाले लोगों की मेहनत, सपने और भावनाएं जुड़ी होती हैं। मुआवजा देना एक सराहनीय कदम है, लेकिन क्या यह उस मानसिक और भावनात्मक आघात की भरपाई कर सकता है जो इन परिवारों ने झेला है?

यह भी देखा गया है कि कई बार प्रशासन ने ऐसे लोगों के घर तोड़े, जिनके पास वैध दस्तावेज थे। ऐसे मामलों में न केवल सरकारी तंत्र की लापरवाही उजागर होती है, बल्कि प्रशासन की मनमानी भी सामने आती है। यह भी चिंता का विषय है कि जिन लोगों के घर गिराए गए, क्या उन्हें समुचित पुनर्वास प्रदान किया गया? सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय एक महत्वपूर्ण उदाहरण स्थापित करता है कि कानून के शासन के तहत किसी भी प्रशासनिक कार्रवाई को कानूनी प्रक्रिया का पालन करना ही होगा।

सरकारों को अब यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी संपत्ति को ध्वस्त करने से पहले सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया जाए। बुलडोजर कार्रवाई से जुड़े सभी मामलों की न्यायिक समीक्षा अनिवार्य की जाए। विध्वंस से पहले उचित नोटिस दिया जाए और कानूनी बचाव का अवसर प्रदान किया जाए। इस तरह की कार्रवाइयों की निष्पक्ष जांच के लिए स्वतंत्र आयोग का गठन किया जाए। प्रभावित परिवारों के लिए मुआवजे के अलावा पुनर्वास की समुचित व्यवस्था की जाए। बुलडोजर का उपयोग केवल अपराध नियंत्रण के लिए किया जाए, न कि राजनीतिक विरोधियों या नागरिक आंदोलनों को दबाने के लिए।

कुल मिलाकर, बुलडोजर कार्रवाई को अपराध नियंत्रण की एक प्रभावी रणनीति के रूप में प्रस्तुत किया गया, लेकिन इसकी आड़ में कई नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने इस संदर्भ में जो फैसला दिया है, वह न्याय की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। इस आदेश से प्रशासन को यह स्पष्ट संदेश गया है कि कानून के शासन से ऊपर कोई नहीं है, चाहे वह सरकार ही क्यों न हो। यदि, सरकारें वास्तव में अपराध को खत्म करना चाहती हैं, तो उन्हें कानूनी प्रक्रिया और न्यायिक सिद्धांतों का सम्मान करना होगा। न्याय के बिना किसी भी कार्रवाई को न तो लोकतांत्रिक कहा जा सकता है और न ही न्यायसंगत।

एचकेआरएनएल कर्मचारियों की दुर्दशा: सरकारी व्यवस्था का एक और छलावा

प्रियंका सौरभ



एचकेआरएनएल कर्मचारियों की अनदेखी: सरकार की नीतियों का शिकार मेहनतकश वर्ग

हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड (एचकेआरएनएल) के तहत कार्यरत कर्मचारियों की स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। यह कर्मचारी मेरिट के आधार पर भर्ती तो होते हैं, लेकिन इन्हें न तो उचित वेतन मिलता है और न ही नौकरी की सुरक्षा। सरकार इन्हें एक अस्थायी समाधान के रूप में इस्तेमाल कर रही है, लेकिन इनके अधिकारों की कोई परवाह नहीं की जा रही। एचकेआरएनएल के तहत काम कर रहे कर्मचारी सरकार के लिए सिर्फ एक रअस्थायी समाधानर बनकर रह गए हैं। सरकार इनका उपयोग कर वाहवाही तो बटोर रही है, लेकिन इन्हें स्थायी नौकरी देने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही। जब सरकारी विभागों में खाली पदों को भरने की बात होती है, तो इन्हीं कर्मचारियों को दिखाकर सरकार आंकड़े चमकाने में लगी रहती है।

सरकार का तुगलकी फरमान:



एचकेआरएनएल कर्मचारियों की नौकरियों पर संकट

हाल ही में सरकार ने एक ऐसा फरमान जारी किया है, जिससे एचकेआरएनएल कर्मचारियों की नौकरियों पर खतरा मंडराने लगा है। सरकार न केवल इन कर्मचारियों को नियमित करने से कतरा रही है, बल्कि अब उन्हें हटाने की दिशा में भी कदम बढ़ा रही है। यह निर्णय हजारों परिवारों को बेरोजगारी की ओर धकेल सकता है। सरकार ने पहले 58 साल तक सुरक्षा की गारंटी दी थी, लेकिन जनवरी माह में विभिन्न विभागों में कार्यरत सैकड़ों एचकेआरएनएल कर्मचारियों को हटा दिया गया। जब हटाए गए कर्मचारियों ने रोष प्रदर्शन किया, तब भी सरकार ने उनकी एक न सुनी। अब हरियाणा कौशल रोजगार निगम द्वारा वन विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को ईद के पवित्र त्योहार पर बड़ा झटका देते हुए नौकरी से हटा दिया गया।

पंचकूला मुख्यालय के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने इन कर्मचारियों को सैदाय तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का आदेश जारी किया है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने शिक्षा विभाग में कार्यरत सैकड़ों सरप्लस शिक्षकों को भी हटाने का निर्णय

लिया है। यह फैसला न केवल शिक्षकों के लिए एक बड़ा झटका है, बल्कि शिक्षा प्रणाली पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। शिक्षक लंबे समय से छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए समर्पित थे, लेकिन अब उनकी नौकरियों पर संकट मंडरा रहा है।

मुख्य समस्याएँ

एचकेआरएनएल के कर्मचारी नियमित सरकारी कर्मचारियों की तरह ही कार्य करते हैं, लेकिन इन्हें मात्र एक तिहाई वेतन मिलता है। यह स्थिति न केवल आर्थिक रूप से इन कर्मचारियों को कमजोर बना रही है, बल्कि उनके मनोबल को भी गिरा रही है। कर्मचारियों को समय पर वेतन न मिलने की समस्या लगातार बनी हुई है। कई बार महीनों तक वेतन अटका रहता है, जिससे वे आर्थिक संकट का सामना करने को मजबूर होते हैं। नियमित कर्मचारियों से तुलना में इन कर्मचारियों से अधिक कार्य लिया जाता है, लेकिन उन्हें कोई स्थायित्व नहीं दिया जाता। नतीजतन, वे हमेशा असुरक्षा के माहौल में कार्य करने को मजबूर रहते हैं। जब भी हरियाणा विधानसभा में खाली सरकारी पदों को भरने की मांग उठती है, सरकार इन कर्मचारियों को केवल आंकड़ों की बाजींगरी

में इस्तेमाल करती है। सरकार यह दिखाने का प्रयास करती है कि उसने रोजगार उपलब्ध करा दिया है, लेकिन वास्तविकता में इन कर्मचारियों को केवल अल्पकालिक सॉल्यू का प्रस्ताव दिया जाता है। नियमित कर्मचारियों को जहाँ सभी प्रकार की छुट्टियाँ मिलती हैं, वहीं एचकेआरएनएल के कर्मचारियों को छुट्टियों की सुविधा तक नहीं दी जाती। इसका असर उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है।

नौकरी छिन्ने का खतरा

सरकार के नए आदेश के अनुसार, एचकेआरएनएल के कर्मचारियों को हटाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। यह फैसला उन हजारों कर्मचारियों के लिए बड़ा झटका है, जिन्होंने वर्षों तक सस्ती मजदूरी पर मेहनत की है। अन्य सरकारी योजनाओं से बाहर रखा जाना इन कर्मचारियों को किसी भी सरकारी लाभ, बीमा, पेंशन या अन्य सुविधाओं का अधिकार नहीं दिया गया है, जिससे इनका भविष्य पूरी तरह से असुरक्षित बना हुआ है। नौकरी की अस्थिरता और भविष्य की अनिश्चितता के कारण कर्मचारियों में भारी मानसिक तनाव देखने को मिल रहा है। यह स्थिति न केवल उनके जीवन स्तर को प्रभावित कर रही है, बल्कि उनके परिवारों पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल रही है।

समाधान के संभावित उपाय

एचकेआरएनएल कर्मचारियों को उनके कार्य के अनुरूप वेतन दिया जाना चाहिए। यह अन्यायपूर्ण है कि वे समान कार्य के लिए नियमित कर्मचारियों की तुलना में बहुत कम वेतन प्राप्त करें। सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए

जब भी हरियाणा विधानसभा में खाली सरकारी पदों को भरने की मांग उठती है, सरकार इन कर्मचारियों को केवल आंकड़ों की बाजींगरी में इस्तेमाल करती है। सरकार यह दिखाने का प्रयास करती है कि उसने रोजगार उपलब्ध करा दिया है, लेकिन वास्तविकता में इन कर्मचारियों को केवल अल्पकालिक सॉल्यू का प्रस्ताव दिया जाता है। नियमित कर्मचारियों को जहाँ सभी प्रकार की छुट्टियाँ मिलती हैं, वहीं एचकेआरएनएल के कर्मचारियों को छुट्टियों की सुविधा तक नहीं दी जाती। इसका असर उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है।

एचकेआरएनएल कर्मचारियों को भी अन्य सरकारी कर्मचारियों की तरह बीमा, पेंशन और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए, जिससे उनका भविष्य सुरक्षित हो सके।

कि इन कर्मचारियों को वेतन समय पर मिले ताकि वे आर्थिक संकट से बच सकें। जो कर्मचारी लंबे समय से कार्यरत हैं, उन्हें स्थायी करने की नीति बनाई जानी चाहिए। इससे वे अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे और अपने कार्य में और अधिक दक्षता ला सकेंगे। कर्मचारियों पर जरूरत से ज्यादा कार्यभार डालने के बजाय उनके कार्य को नियमित सरकारी कर्मचारियों के कार्य से संतुलित किया जाए। सरकार को आंकड़ों की बाजींगरी छोड़कर वास्तविकता को स्वीकार करना चाहिए और एचकेआरएनएल कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

सरकार को तुगलकी फरमान वापस लेना चाहिए और इन कर्मचारियों के लिए नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। यदि सरकार इस दिशा में कदम नहीं उठाती, तो यह हजारों परिवारों की आर्थिक स्थिति पर गहरा प्रभाव डालेगा। एचकेआरएनएल कर्मचारियों को भी अन्य सरकारी कर्मचारियों की तरह बीमा, पेंशन और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए, जिससे उनका

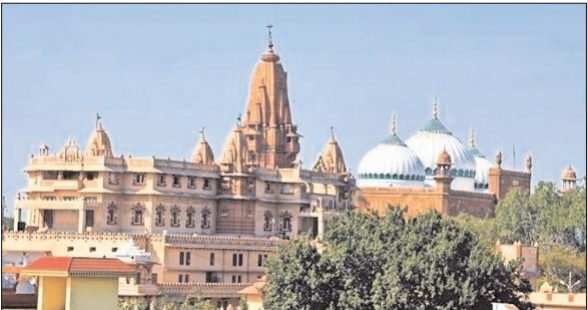
मथुरा-काशी से जुड़ी नई मुहीम का आह्वान

ललित गर्ग



हिंदू समूहों का दावा है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट करके उनके ऊपर मस्जिदें बना दीं। इसीलिये विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने 1984 में तीन मंदिरों की बात की थी, जिनमें न अयोध्या में श्रीराम मन्दिर बन चुका है। इसके बाद कई लोगों को लगने लगा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठन इससे संतुष्ट हो चुके हैं और काशी व मथुरा के विषय को जैसे उन्होंने त्याग दिया या भूल दिया है। लेकिन ऐसा नहीं है, लोकसभा में वक्फ विधेयक के पेश किए जाने से कुछ ही घंटे पहले संघ के सरकायवाह एवं महामंत्री दत्तात्रेय होसबाले ने काशी ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े आंदोलनों-कार्यक्रमों में संघ के स्वयंसेवकों को न रोकने की बात कह कर एक नई मुहीम के आह्वान का अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दे दिया है, जिसके गिहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। पिछले कुछ समय से इनको लेकर एक ऊहापोह की

स्थिति थी, लेकिन संघ के इस मुद्दे पर छये धुंधलको को हटाने हुए अपने नये बयान से ऊर्जा का संचार किया है। भले ही इससे राजनीति गमावें, लेकिन हिन्दू आस्था को इससे खुशी मिली है। संघ की कन्ज्ड साप्ताहिक पत्रिका विक्रमा को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने साफ कर दिया कि उस समय यानी 1984 में विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों की बात की थी। इसलिए अगर संघ के स्वयंसेवक इन मंदिरों के लिए काम करना चाहते हैं, तो हम उनको रोकेंगे नहीं। साफ है, इस बयान के बाद इन मथुरा-काशी दोनों स्थलों से जुड़े विवाद और इनके आंदोलनों को एक नई ऊर्जा, इन मंदिरों के जीर्णोद्धार, स्वतंत्र अस्तित्व हासिल करने से प्रफलता मिलेगी। इससे एक बार फिर भाजपा की ताकत बढ़ेगी एवं हिन्दुओं को एकजुट करने का वातावरण बनेगा। बिहार में कुछ ही माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और साल 2027 की शुरुआत में ही उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार एवं उत्तर प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में जातिगत गणना और आरक्षण को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें हो रही हैं। इन दोनों चुनावों में काशी और मथुरा बड़ा मुद्दा बने, तो कोई आश्चर्य नहीं है। दोनों मन्दिर बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के दो छोरों पर स्थित हिंदुओं के दो बड़े पवित्र एवं पावन धर्मस्थल हैं। मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर भगवान कृष्ण के जन्मस्थान के रूप में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के



रूप में हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्वपूर्ण आस्था-स्थल हैं, जहाँ लोग मोक्ष प्राप्ति के लिए आते हैं। दोनों मंदिर हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और करोड़ों भक्तों को आकर्षित करते हैं, दोनों मंदिर भारतीय संस्कृति और इतिहास के अहम हिस्सा हैं और उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।

काशी में विश्वनाथ और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का पुनरुद्धार केवल भौतिक संरचनाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास नहीं है-यह भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को पुनर्जीवित करने एवं आहत हिन्दू आस्था पर मरहम लगाने का आह्वान है। सनातन धर्म की शाश्वत विरासत के प्रतीक ये मंदिर आक्रमणकारियों के सदियों के हमलों के बावजूद हिंदुओं की हृदय और भक्ति के प्रमाण हैं। इन पवित्र स्थलों को पुनः प्राप्त करना हमारे पूर्वजों के बलिदान का सम्मान करने, हमारी विरासत को संरक्षित करने और हमारी समृद्ध परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू मंदिरों के बारे में सच्चाई सबके सामने है, लेकिन ये मामले अनसुलझे हैं।

ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के ये स्थल लंबी अदालती लड़ाई के बावजूद अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं। दत्तात्रेय होसबाले का यह साक्षात्कार महत्वपूर्ण होने के साथ दूरगामी सोच से जुड़ा है। हालाँकि, होसबाले ने अपने इसी इंटरव्यू में देश की सभी मस्जिदों को मुद्दा बनाने की प्रवृत्ति को सामाजिक ताने-बाने के लिए नुकसानदेह बताकर संतुलन साधने की कोशिश की है। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है। भले ही पिछले साल दिसंबर में मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का उन्होंने यह प्रयास किया था। लेकिन काशी और मथुरा भी उसमें शामिल रहे हो, ऐसा कैसे सोचा जा सकता है? होसबाले ने इस साक्षात्कार में ही हत्या, लव जिहाद और धर्मांतरण जैसी चिंताओं को स्वीकार किया। उन्होंने असुरक्षता यानी छुआछूत को खत्म करने, युवाओं में संस्कृति के संरक्षण और देशी भाषाओं की सुरक्षा जैसे समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। भाषा नीति पर होसबाले ने त्रिभाषी दृष्टिकोण का समर्थन किया और इसे

95 प्रतिशत भाषाई विवादों का समाधान बताया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनमें शिक्षित लोगों के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। होसबाले ने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक भूराजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। यदि भारत में हिंदू समाज मजबूत और संगठित नहीं है, तो केवल ह्यअखंड भारतहू के बारे में बोलने से परिणाम नहीं मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत की खोज में लगे रहने से समाज अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों पर अपना ध्यान केंद्रित कर पाएगा, जैसे असुरक्षता को समाप्त करना, युवाओं में मूल्यों का संचार करना तथा संस्कृति और भाषाओं को संरक्षित करना। निश्चित ही होसबाले के बोल से जहां हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा को बल मिला है, वहीं राष्ट्रीयता भी मजबूत होती हुई दिख रही है। संघ की स्थापना भी इसी उद्देश्य एवं राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थीं उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो न जाये, हिन्दू समाज पर रह-रह हो रहे हमले रूके, हिन्दू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास विराम पाये-इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने की दृष्टि से होसबाले ने जागया है, चेतावा है, संगठित होने का आह्वान किया है। निश्चित तौर पर इन दोनों मन्दिर मुद्दों को नए सिरे से हवा देने की इस

कवायद ने संघ विरोधियों एवं मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के सामने एक नई गंभीर चुनौती पेश की है। खासकर यह देखते हुए कि अयोध्या की रणनीतिक प्रसंगता ने हिंदुत्व की राजनीति का आधार मजबूत किया है, हिन्दुओं को संगठित किया है। मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच संघ की तरफ से पहले भी कई बयान आते रहे हैं। ये बयान दशांत हैं कि संघ भले ही सीधे-सीधे विवाद से खुद को भले ही अलग रखता हो, वैचारिक रूप से वह इनको पूरा समर्थन देता है। संघ का समर्थन देश को अराजक बनाने का कभी नहीं रहा, उसके सामने बड़ा लक्ष्य देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का भी है। बांग्लादेश समेत कई पड़ोसी देशों में भारत-विरोधी शक्तियां नए सिरे से सक्रिय होने लगी हैं, उससे लड़ने की ताकत एवं रणनीति भी संघ चाहता है। संघ सामंजस्यपूर्ण और संगठित भारत के आदर्श को आकार देने के लिये प्रतिबद्ध है। श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति जैसे आंदोलनों ने भारत के सभी वर्गों और क्षेत्रों को सांस्कृतिक रूप से संगठित किया। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सीमा सुरक्षा, शासन में सहभागिता से लेकर ग्रामीण विकास तक, राष्ट्रीय जीवन का कोई भी पहलू नहीं है जो संघ के स्वयंसेवकों से छूटा नहीं है। सी वर्षों की संघ यात्रा हिन्दू एकता, विश्व शांति व समृद्धि के साथ सामंजस्यपूर्ण और एकजुट भारत के भविष्य के संकल्प के साथ-साथ काशी-मथुरा के मुद्दे से भी जुड़ी है। हिंदुओं को बचाने और उन्हें सम्मान और गरिमा के साथ देश सेवा में तत्पर करने के लिये उनकी आस्था एवं अस्तित्व पर लगे घावों को तो भरना ही होगा।

मण्डलायुक्त ने एक करोड़ से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजनाओं के प्रगति की बैठक कर ली जानकारी

शशि भूषण दूवे कंचनीय/रोमेश रंजन रोशन

मीरजापुर 2 अप्रैल।मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में एक करोड़ से अधिक लागत की निमार्णाधीन परियोजना की समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक मुख्य विकास अधिकारी मीरजापुर विशाल कुमार, भदोही शिवकान्त द्विवेदी, सोनभद्र जागुति अवस्थी, संयुक्त विकास आयुक्त रमेश चन्द्र, संयुक्त निदेशक कृषि डॉ अशोक

उपाध्याय, प्रभागीय वनाधिकारी मीरजापुर अरविन्द राव मिश्र, प्रभागीय वनाधिकारी कैमूर सहित सभी सम्बन्धित अधिकारी व कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहें। जनपद मीरजापुर की समीक्षा में कार्यदायी उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण मीरजापुर के द्वारा बताया गया कि लेडुकी गांव परियोजना में 99 प्रतिशत कार्य पूर्ण करा लिया गया है जिस पर मण्डलायुक्त द्वारा जानकारी ली गई कि कितने गांव जलापूर्ति से आच्छादित होने से रह गए है बताया गया कि 1676 कनेक्शन

होना शेष है, मण्डलायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि शीघ्र अतिशीघ्र।15 मई 2025 कनेक्शन कराना सुनिश्चित करें। महुवारी गांव 98 ट्यूबवेल स्क्रीम योजनातर्गत 09 कनेक्शन ग्राम पंचायतों में कनेक्शन कराया जाना था जिसमें से दो में कनेक्शन करा लिया गया है, सात गांवों में कनेक्शन शेष है जिस पर मण्डलायुक्त द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए 15 दिवस में कार्य पूर्ण कराने का निर्देश देते हुए मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन दो गांवों में कार्य



पूर्ण करा लिया गया है आज ही जाकर निरीक्षण कर आख्या

उपलब्ध कराएँ। गोठौरा गांव घौहा गांव परियोजना की समीक्षा में

बताया गया कि 12 ग्राम पंचायत शेष है इसी माह पूर्ण करा लिया जाएगा। कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड सोनभद्र इकाई द्वारा मेडिकल कालेज मीरजापुर में मल्टी पर्पज हाल की प्रगति के बारे में मण्डलायुक्त को अवगत कराया गया कि कार्य समाप्ति की ओर हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पड़री में बताया गया कि इसी माह कार्य पूर्ण करा लिया जाएगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विजयपुर में बताया गया कि मई 2025 तक पूर्ण करा लिया जाएगा। प्रधानमंत्री आयुष्मान

भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अन्तर्गत 50 सैय्या फ्रिटिकल केयर ब्लाक मीरजापुर, 50 सैय्या एकीकृत आयुष चिकित्सालय मीरजापुर दोनों परियोजनाओ की प्रगति के बारे में बताया गया कि कार्य प्रगति पर है जिस पर मण्डलायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि मैनेपावर की संख्या बढ़ाते हुए कार्य समयाव्तरगत पूर्ण कराया जाए। अति पिछड़ा नक्सल प्रभावित क्षेत्र मीरजापुर के मंडिहान तहसील में 100 क्षमता के बालिका छात्रावास निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में बताया गया

कि मई 2025 तक कार्य पूर्ण करा लिया जाएगा। जिला कारागार मीरजापुर में टाइप-2 के 6 नग आवास (एक ब्लाक का निर्माण) के प्रगति के बारे में कार्यदायी संस्था द्वारा बताया गया कि 10 दिन में कार्य पूर्ण करा लिया जाएगा। कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद निर्माण ईकाई के द्वारा कराए जा रहे कार्य जनपद मीरजापुर में 50 सैय्यायुक्त बहुमुखी चिकित्सालय का भवन निर्माण में बताया गया कि अप्रैल 2025 के अन्त तक कार्य पूर्ण करा लिया जाएगा।

जाने वाले जरा होशियार! नीमडीह थाना के हम हैं थानेदार

राष्ट्र संवाद संवाददाता

बस चालक की लापरवाही और थानेदार के रौब के बीच फंसे यात्री

चाँडिल से गुजरने वाले सावधान रहें, क्योंकि यहां थानेदारी का रौब चलता है! बुधवार को नीमडीह थाना प्रभारी संत कुमार की गश्ती के दौरान एक ऐसा वाकया हुआ जिसने यात्रियों को परेशान कर दिया और पुलिसिया रौब को उजागर कर दिया।
क्या है पूरा मामला?
बुधवार शाम 4:30 बजे, नीमडीह

थाना प्रभारी संत कुमार गश्त से लौट रहे थे। इसी दौरान आद्रदीह गांव के पास शंकर पार्वती बस संख्या हड़ -55 अ 4176, जो पुरुलिया से आ रही थी, यात्री उतार रही थी। बस के पीछे चार-पांच ट्रक खड़े थे, जिससे सड़क पर हल्ला जाम लग गया। यह देख थाना प्रभारी को गुस्सा आ गया और उन्होंने बस को थाने में खड़ी करने का फरमान सुना दिया। बस चालक ने यात्रियों को उतारते हुए जैसे ही जमशेदपुर की ओर बढ़ने की कोशिश की, थाना प्रभारी ने बस रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक तेज रफ्तार



में निकल गया। यह देख थानेदार भड़क उठे! पुलिस बल के साथ बस का पीछा कर रघुनाथपुर चौक पर चालक को बस से घसीटते हुए उतारा और जमकर धुनाई कर दी।
यात्रियों की परेशानियों का

काक, पुलिस का कहर!

गर्मी से बेहाल यात्री, जिनमें महिलाएं, पुरुष और छोटे बच्चे भी शामिल थे, सड़क पर परेशान हो गए। दो घंटे तक यात्री बस के बिना इधर-उधर भटकते रहे, फिर

भारतीय अदिवासी भूमिज समाज की हुई बैठक ,ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ रघुनाथ सिंह के इतिहास को मिटाने के प्रयास पर हुई चर्चा

राष्ट्र संवाद संवाददाता

चक्रधरपुर के डीआरएम तरुण हरिया बुधवार को आदित्यपुर पहुंचे इससे पूर्व वे कांङ्रा रेलवे स्टेशन पहुंचे थे. जहां उन्होंने कांङ्रा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और वहां मिल रहे यात्री सुविधाओं की जानकारी ली. साथ ही उसे और बेहतर कैसे बनाएं इसको लेकर अधिकारियों के साथ मंत्रणा की. उन्होंने बताया कि कांङ्रा रेलवे स्टेशन भी इस मार्ग का बेहद ही महत्वपूर्ण स्टेशन है इसको ध्यान में रखते हुए एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है. इधर आदित्यपुर में उन्होंने स्टेशन परिसर और यात्री सुविधाओं की जानकारी ली. इस दौरान उन्होंने आदित्यपुर रेलवे स्टेशन के तमाम गतिविधियों पर संतुष्टि जताई. वहीं स्टेशन पर चार ट्रेनों के ठहराव पर नपे- तुले अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि इसपर उनका कोई अधिकार नहीं है स्टेशन पूरी तरह



से तैयार है. निर्णय रेलवे बोर्ड को लेना है. आपको बता दें कि टाटा नगर रेलवे स्टेशन पर भार कम करने के उद्देश्य से आदित्यपुर रेलवे स्टेशन को आधुनिक लुक दिया गया है. यह स्टेशन पूरी तरह से तैयार हो चुका है. बस रेलवे को इस स्टेशन से ट्रेनों का परिचालन शुरू करना है. हालांकि कोविड के दौरान इस स्टेशन पर रुकने वाले चार एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव भी प्रभावित हो गया है जिससे यहां के यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. डीआरएम ने बताया कि

हमारी ओर से तैयारी पूरी कर ली गई है. रेलवे ने बोर्ड को अवगत करा दिया है बोर्ड से आदेश मिलते ही ट्रेनों का परिचालन शुरू कर दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि 1 साल के अंदर आदित्यपुर रेलवे स्टेशन ऑपरेशनल मोड में आ जाएगा. अभी कुछ जरूरी तैयारियां चल रही है. जल्द ही सारी तैयारियां पूरी कर ली जाएगी. डीआरएम ने आदित्यपुर रेलवे को स्टेशन में अब तक हुए तैयारी को संतोषजनक बताया. साथ ही स्थानीय लोगों से इसे साफ- सुथरा रखने की अपील की.

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जादूगोड़ा :भारतीय अदिवासी भूमिज समाज की जमशेदपुर के सोनारी स्थित ट्राईबल कल्चर सोसाइटी भवन में बैठक हुई जिसकीअध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तपन कुमार सरदार (पश्चिम बंगाल) ने की। बैठक में अदिवासी भूमिज समाज के असम, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और झारखंड के भूमिज समाज के लोगों ने शिरकत की। इस मौके पर समाज के संगठात्मक विस्तार, केन्द्रीय सदस्यों में फेर- बदल, भूमिज भाषा के युनिकोड, केन्द्रीय भाषा संस्कृति इकाई के गठन, भूमिज चुदाड़ विद्रोह आंदोलन में ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ विद्रोह के नायक रघुनाथ सिंह इतिहास को मिटाने के प्रयास पर विशेष रूप परचर्चा करके प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में तय किया गया कि सभी राज्यों के प्रदेश इकाई के अध्यक्ष, सचिवों



,संगठात्मक विस्तार समाज के गाँव गाँव तक ले जाने व राष्ट्रीय कोष संग्रह करने के फैसला लिया गया।बैठक में केन्द्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती निर्मला सामाद, संजय सरदार,पं० बंगाल, सचिव अबोध सिंह, श्रीमती गीतामनी सिंह,सांस्कृतिक सचिव श्री नित्यालाल सिंह ,पं बंगाल,श्री सुभाष सरदार, श्री मकर भूमिज ,असम ,श्री पाईका सिंह पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री बाबुल सिंह पातर प्रदेश अध्यक्ष पं बंगाल, रघु

सिंह प्रदेश अध्यक्ष झारखंड, श्री राजतिलक भूमिज असम सचिव, असम जोरहाट के केन्द्रीय सदस्य श्री निरेन भूमिज,सुश्री जुही भूमिज, सुशील भूमिज,बाबुल भूमिज, सुकेन भूमिज, देबू भूमिज,हरी भूमिज, रंजित भूमिज, सुभाष सिंह,मनोहर सिंह, सुनील सिंह, जय सिंह भूमिज,मेयालाल सरदार, छट्टू भूमिज विमल भूमिज ,शुभकर सिंह आदि सैकड़ों की संख्या भूमिज समाज लोग शामिल हुए।

रक्तदान के क्षेत्र में बेहतर कार्य हेतु वीबीडीए ने किया आनन्दमार्ग को सम्मानित

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया। वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन झारखंड की ओर से अपनी 38वीं वर्षगांठ पर पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावाँ एवं पश्चिम सिंहभूम के सामाजिक संस्थाओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर माइकल जॉन ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में टाटा मोटर्स को अधिकतम यूनिट रक्तदान के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही,आनन्दमार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल सरायकेला-खरसावाँ को भी सम्मानित किया गया। टाटा मोटर्स की ओर से वर्कर्स यूनिनयन के पूर्व अध्यक्ष गुरमिंद सिंह तोते, महासचिव आरके सिंह तथा आनन्दमार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल सरायकेला-खरसावाँ की ओर से गोपाल बर्मन, दीपक कुमार, बालचन्द्र साहू, राहुल रजक, व्यास रजक ने सम्मान ग्रहण किया। विदित है कि आनन्दमार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम



ग्लोबल द्वारा कांङ्रा एवं सीनी में बीते वर्ष में चार शिविर आयोजित किए गए थे। समारोह में मारवाड़ी समाज, गाथित्री परिवार, भक्तराज शनि मण्डली समेत कई अन्य संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान वीबीडीए के सचिव कमल कुमार घोष द्वारा संस्था के गतिविधि की जानकारी दी गई। बताया कि संस्था द्वारा रक्तदान शिविर लगाकर बीते वर्ष कुल 40,156 यूनिट रक्त संग्रह किया गया था जबकि वर्ष 2025-26 में 45 हजार यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा गया है।

ऐतिहासिक रूप से निकला उरांव सरना समिति का भव्य सरहुल शोभा यात्रा, अँधेरे में लोगों को हुई परेशानी

राष्ट्र संवाद संवाददाता
रामगोपाल जेना

चक्रधरपुर पवन चौक में लाइट नहीं रहने से हुई परेशानी

हजारों की संख्या में लोग हुए शामिल, महिलाएं की गीड़ रही अधिक

चक्रधरपुर पवन चौक, भगत सिंह चौक आदि क्षेत्र में में लाइट की व्यवस्था नहीं होना बना चर्चा का विषय

जुलुश के कारण लाइट काटी गयी थी ए वैकल्पिक व्यवस्था प्रशासन ने नहीं की

चक्रधरपुर प्राकृतिक का पर्व सरहुल चक्रधरपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पेल्लो



टुंगरी स्थित सरना स्थल पर पहान (पुजारी) सोमरा टोप्पो, पाहन मंगरा कोया, गणेश मिंज, सुकरा खलखो, सुश्री कौशल्या कुजूर, लक्ष्मी कुजूर द्वारा विधिवत पूजा अर्चना की करीबन चार बजे पेल्लो टुंगरी से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के दौरान आगे-आगे संरक्षक सन्नी उरांव, मुखिया अरविंद तिग्गा, मुखिया सामनाथ कोया, बबलू लकड़ा समेत समाज के विरिष्ठ लोग चल रहे थे। सरना स्थल में एक दूसरे की अबीर-गुलाल लगाकर सरहुल

पर्व की बधाई दिया। विधायक सुखराम उरांव के आवास, श्यामरायडीह चौक, टोकलो रोड, पवन चौक समेत विभिन्न जगहों पर जुलूस के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। शोभा यात्रा पेल्लो टुंगरी से निकलकर इंदिरा कॉलोनी, बनमालीपुर, कोलचकड़ा, श्यामरायडीह, टोकलो रोड़, पुरानी रांची रोड, शहीद भगत सिंह चौक, मुख्य मार्ग, पवन चौक, रेलवे क्रॉसिंग, पोर्टरखोली, टेबुल लाइन, देवगांव, कुरुलिया होते हुए वापस

भूमिज समाज का 44वां दिशुवा हादी बोंगा पर्व पर झारखंड समेत चार राज्यों से हजारों लोग पहुंचे

राष्ट्र संवाद संवाददाता

पोटक। प्रखंड के हरिणा स्थित मागाड़ बुरू दिशुम जायराथान मे 44 वां दिशुवा हादी बोंगा (सार्वजनिक सरहुल पूजा) का आयोजन आदिम भूमिज मुंडा समाज कल्याण समिति बुनुडीह की ओर से धूमधाम के साथ मंगलवार को आयोजित किया गया?। इस कार्यक्रम में सहयोगी की भूमिका टाटा स्टील फाउंडेशन ने निभाया। कार्यक्रम में झारखंड, ओडिशा, पश्चिमी बंगाल एवं असम प्रदेश से हजारों भूमिज समाज के लोग जुटे। भव्य कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ दिशुम नाया सुशांत सरदार के नेतृत्व में सरहुल पूजा कर क्षेत्र के लिये सुख, शांति और समृद्धि की कामना किया गया। पूजा उपरांत अपरहद में भव्य शोभायात्रा निकालकर दिशुम नाया का स्वागत किया गया। इस दौरान सामुहिक सरहुल नृत्य एक साथ हजारो



लोगो ने भाग लिया।
प्रकृति से जुड़ा सरहुल आदिवासियों का प्रमुख पर्व : संजीव सरदार
कार्यक्रम में आयोजन के मुख्य संरक्षक विधायक संजीव सरदार ने कहा कि प्रकृति से जुड़ा सरहुल पर्व आदिवासी समाज का प्रमुख पर्व है। आदिवासी समाज के लोग सरहुल पर्व को धूमधाम के साथ मनाते है। भूमिज समाज के द्वारा हरिणा में ऐतिहासिक सरहुल महोत्सव मनाया जाता है, यहां देश के विभिन्न क्षेत्र मे रहनेवाले भूमिज समाज के प्रतिनिधि शामिल

होते है। मैं सरहुल देवता से क्षेत्र के लिये अच्छी बारिश, अच्छी फसल की कामना करते है। कार्यक्रम में विधायक श्री सरदार ने सभी नाया-देवरी को धोती एवं गमछा देकर सम्मानित किया। 00 पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा पहुंचे हरिणा, लिया आशीर्वाद पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा भी हरिणा में आयोजित सार्वजनिक सरहुल पूजा में पहुंचे। उन्होंने पूजा स्थल में आशीर्वाद प्राप्त किया। नाया सुशांत सरदार द्वारा उन्हें सारजोम बाहा पुष्प भेंट किया

राष्ट्र संवाद संवाददाता

ये हम हर ओड़िया भाषियों के लिए गौरव का विषय है क्योंकि उक्तल दिवस, जिसे ओडिशा दिवस के रूप में भी जाना जाता है, भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है, जो हर साल 1 अप्रैल को मनाया जाता है। उपरोक्त बातें झारखंड के प्रथम स्वास्थ्य मंत्री डॉ दिनेश कुमार सारंगी ने अपने अपनी पत्नी डॉ बिन्नी सारंगी को भुवनेश्वर में सम्मानित किए जाने पर कहा ढ उन्होंने कहा कि यह दिन ओडिशा राज्य के गठन का जश्न मनाता है। ओडिशा कलिंग साम्राज्य का हिस्सा हुआ करता था। सम्राट अशोक ने इसे 250 ईसा पूर्व में जीत लिया गया था। वहीं ब्रिटिश शासन में ओडिशा, बंगाल प्रेसीडेंसी का एक हिस्सा था और आज की दिन ही ओड़िया को बंगाल प्रेसीडेंसी से अलग कर दिया गया था ।



आज उक्तल दिवस के शुभ अवसर पर ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक द्वारा एक कार्यक्रम में बहरागोड़ा के पूर्व विधायक सह पूर्व स्वास्थ्य मंत्री झारखंड सरकार,माननीय डॉक्टर दिनेश सड़ंगी एवं उनकी धर्म पत्नी डॉक्टर बिनी सड़ंगी जी को सम्मानित किया गया । इस शुभ अवसर पर आप दोनों को सम्मानित किए जाने पर



हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई। आपकी मेहनत, समर्पण और ओड़िया भाषा व संस्कृति के प्रति आपके अमूल्य योगदान के लिए हम गर्वित हैं। आपने अपनी प्रतिभा और सेवा से समाज में जो प्रतिष्ठा अर्जित की है, वह हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। आपके अच्छे स्वास्थ्य और निरंतर सफलता की कामना करते हैं।

सार-संक्षेप

बोलानी टाउनशिप के हनुमान मंदिर मे रामनवमी महोत्सव तैयारी बैठक



राष्ट्र संवाद संवाददाता

बड़ुबिल -बोलानी टाउनशिप क्षेत्र के शांतिनगर के हनुमान मंदिर मे बीते मंगलवार संध्या समय रामनवमी महोत्सव की तैयारी को लेकर एक बैठक की गई।उपस्थित सदस्यों ने बताया कि प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी रामनवमी शोभायात्रा बालागोड़ा शिवमंदिर से आरंभ होगी।इस शोभा यात्रा मे दर्जनों महावीर झंडों को लेकर श्रद्धालु लगभग 6किलोमीटर की दुरी तय कर तय रास्ते के द्वारा हनुमान मंदिर आएंगे।इस शोभा यात्रा मे पहलीबार बाहर से आए कलाकार हनुमान जी,जामंत आदि के भेषभूषा मे रहेंगे। युवाओं के साथ साथ छोटी बच्चियों तथा महिलाओं द्वारा विभिन्न चौक चौराहें पर कला की प्रस्तुति करेंगे।इस बैठक मे मुख्य रूप मे महाथान चौधरी ,कमलापति यादव,विनय चौधरी, शंभू कुमार, अमरजीत सिंह, दुर्गोधन साँडल, राजकुमार चौधरी ,अनिल पासवान, केसरी प्रसाद तिवारी, अभय सतपतिआदी सहित दर्जनों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मण्डल रेल प्रबंधक नें यथा शीघ्र ट्रेनों का ठहराव पर हामी भारी:सुरेश धारी



राष्ट्र संवाद संवाददाता

आदित्यपुर स्टेशन पर मण्डल रेल प्रबंधक के विजिट के दौरान झारखण्ड चेतना मंच सह झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस के सचिव सुरेश धारी नें आदित्यपुर की जनता की पुरानी मांगो से उन्हें अवगत कराते हुए उन सभी ट्रेनों का ठहराव आदित्यापुर में सुनिश्चित कराने की माँग को दोहराया जो की कोरोना के पहले आदित्यापुर स्टेशन पर रूकती थी इस पर मण्डल रेल प्रबंधक नें यथा शीघ्र ट्रेनों का ठहराव पर हामी भारी उन्होंने कहा की जल्द ही ट्रेनों का ठहराव आदित्यापुर स्टेशन पर होगा जो ट्रेन पहले रूकती थी उसको लेकर मै प्रयासरत हूँ सीनियर पदाधिकारी से पत्राचार हो रहा है ऊफूट से मिलने में आदित्यापुर नगर अध्यक्ष राहुल यादव कुणाल राय मौजूद थे

चाईबासा रिमांड होम से भागे 21 बाल कैदियों में से अबतक कुल 07 बाल बंदियों को वापस लाया गया, बाकी 14 की खोजबीन जारी, मामले की जांच भी जारी

राष्ट्र संवाद संवाददाता रामगोपाल जेना
चाईबासा चाईबासा रिमांड होम में कल शाम को मेन गेट तोड़कर 21 बाल कैदी फरार हो गए थे। इनमें से अबतक कुल 07 बाल बंदियों को वापस लाया गया है। कल रात को 04 बाल बंदियों वापस लाया गया था, जबकि आज 03 बाल बंदियों को वापस लाया गया है। 14 बाल कैदियों की पुलिस खोजबीन कर रही है। इस मामले की जांच भी तेजी से चल रही है और आज रांची से महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की निदेशक समीरा एस भी चाईबासा रिमांड होम पहुंचकर जांच की। हालांकि उन्होंने मीडिया से बात करने से मना कर दिया।

चाईबासा के डीसी कुलदीप चौधरी ने कहा कि मामले में जांच जारी, जो भी दोषी पाए जाएंगे उनपर कार्रवाई होगी।

डंगोआपोसी में कार्यरत वरिष्ठ कोचिंग गाई श्री डी मुंडा हुए सेवानिवृत्त...सहकर्मियों और अधिकारियों ने दी यादगार विदाई



राष्ट्र संवाद संवाददाता रामगोपाल जेना

चाईबासा डंगोआपोसी में कार्यरत वरिष्ठ कोचिंग गाई डी मुंडा सफलतापूर्वक अपने ड्यूटी का निर्वहन करते हुए आज सेवानिवृत्त हो गए।

इस अवसर पर रेल अधिकारियों, सहकर्मियों, शुभचिंतकों और रेलवे कर्मचारियों ने उन्हें यादगार विदाई देते हुए उनके उत्कृष्ट कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए उन्हें विभिन्न प्रकार के उपहार दिए और अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन की कामना की। इस अवसर पर महिला रेलकर्मियों ने भी उनका अभिवादन किया और आनेवाले खुशहाल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

नव ज्योति विद्या मंदिर जगन्नाथपुर, गम्हरिया में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ



राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया।नव ज्योति विद्या मंदिर जगन्नाथपुर, गम्हरिया में बुधवार को नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 का शुभारंभ पूरे हर्षोल्लास और धार्मिक आस्था के साथ किया गया। इस मौके पर विद्यालय परिसर में पूजन, हवन, यज्ञ आदि का आयोजन किया गया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंज उठा। इस दौरान वेदध्वनि और पवित्र मंत्रोच्चारण के साथ प्रसिद्ध पंडितों द्वारा पूजन, हवन व यज्ञ कराया गया। विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं व शिक्षक- शिक्षिकाओं ने इस हवन-पूजन में भाग लिया। इस दौरान पूजा अर्चना कर सभी ने नए सत्र में आशीर्वाद के लिए प्रार्थना किया। कार्यक्रम के पश्चात सभी के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर राधेश्याम टुस्ट के सचिव डॉ0 संजीव श्रीवास्तव, विद्यालय की प्राचार्या अनामिका श्रीवास्तव समेत सभी शिक्षक- शिक्षिकाएं व काफी संख्या में बच्चे उपस्थित थे।

मस्जिदों की खुदाई पर होसबाले का बड़ा बयान, कहा- अतीत की खोज में लगे रहने से समाज बदलावों से विमुख होगा

बंगलूरु,एजेंसी। मस्जिदों की खुदाई को आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने निरर्थक बताया है। उन्होंने कहा कि अतीत की खोज में लगे रहने से समाज अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक बदलावों पर ध्यान नहीं दे पाएगा और विमुख होगा। जैसे अस्पृश्यता को समाप्त करना, युवाओं में नई भावनाओं का संचार करना तथा संस्कृति और भाषाओं को संरक्षित करना। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्वयंसेवकों को काशी विश्वनाथ वाराणसी और श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा के पुनर्निर्माण के प्रयासों में भाग लेने से नहीं रोकेंगा। एक साप्ताहिक पत्रिका को दिए गए साक्षात्कार में होसबाले ने कहा कि आज समाज धर्मांतरण, गोहत्या, लजबिहाद और कई अन्य चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विश्व हिंदू परिषद और धर्म गुरुओं ने तीन मंदिरों के बारे में बात की। अगर कुछ स्वयंसेवक इन तीन मंदिरों से संबंधित प्रयासों में शामिल हैं, तो संघ उन्हें रोक नहीं रहा है।



होसबाले ने यह भी कहा कि संघ ने राम जन्मभूमि आंदोलन शुरू नहीं किया था। उन्होंने कहा कि कई साधुओं, संतों और मठाधिपतियों ने बैठक में चर्चा की और राम जन्मभूमि को पुनः प्राप्त करने का निर्णय लिया। उन्होंने समर्थन के लिए संघ से संपर्क किया था और हम इस बात पर सहमत हुए थे कि सांस्कृतिक दृष्टिकोण से

राम जन्मभूमि को पुनः प्राप्त करना और मंदिर का निर्माण आवश्यक था। उन्होंने मस्जिदों के नीचे से मंदिर खोदने की निरर्थक बताया। उन्होंने कहा कि अगर हम अन्य सभी मस्जिदों और संरचनाओं के बारे में बात करते हैं, तो क्या हमें 30,000 मस्जिदों को खोदना शुरू कर देना चाहिए और इतिहास को पलटने का

प्रयास करना चाहिए? क्या इससे समाज में और अधिक शत्रुता और आक्रोश पैदा नहीं होगा? क्या हमें एक समाज के रूप में आगे बढ़ना चाहिए या अतीत में ही अटकें रहना चाहिए? हम इतिहास में कितनी दूर तक पीछे चले गए हैं? उन्होंने कहा कि अतीत को खोदने से समाज अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि क्या हमें पत्थर की संरचना के अवशेषों में हिंदुत्व खोजने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, या हमें उन लोगों के भीतर हिंदुत्व को जगाना चाहिए जिन्होंने खुद को इससे दूर कर लिया है? पत्थर की इमारतों में हिंदू विरासत के निशान खोजने के बजाय अगर हम उनमें और उनके समुदायों के भीतर हिंदू जड़ों को पुनर्जीवित करते हैं, तो मस्जिद का मुद्दा अपने आप हल हो जाएगा। जातिवाद को लेकर होसबाले ने कहा कि यह कहना गलत है कि विविधता को बनाए रखने के लिए केवल जाति ही जरूरी है। अगर कोई जाति पारिवारिक परंपराओं या घरेलू

प्रथाओं तक सीमित रहती है, तो इससे समाज को कोई नुकसान नहीं होता। हालांकि, अगर जाति का इस्तेमाल भेदभाव या राजनीतिक सत्ता तय करने के लिए किया जाता है, तो यह समाज के लिए समस्या बन जाती है।आरएसएस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि अखंड भारत का विचार सिर्फ भौगोलिक एकता के बारे में नहीं है। भौगोलिक एकता के मामले में हमारे रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। आज भी अखंड भारत संकल्प दिवस मनाया जाता है। लोगों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक भूराजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि यदि भारत में हिंदू समाज मजबूत और संगठित नहीं है, तो केवल अखंड भारत के बारे में बोलने से परिणाम नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि अखंड भारत हमारा जीवन का सपना और प्रतिज्ञा है। हमारी प्रतिबद्धता में कोई कमी नहीं है। लेकिन अगर एक बार विभाजित हो चुके क्षेत्र को फिर से एकीकृत करना है,



तुमकुर,एजेंसी। श्री शिवकुमार स्वामीजी की 118वीं जयंती के अवसर पर कर्नाटक के तुमकुर पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को सिद्धगंगा मठ का दौरा किया तथा संत की समाधि पर पूजा-अर्चना की। सुरक्षा काफिले के साथ मठ परिसर पहुंचे राजनाथ सिंह का मठ प्रमुख सिद्धलिंग स्वामीजी ने फूलों की माला पहनकर स्वागत किया। राजनाथ सिंह ने मठ के अध्यक्ष सिद्धलिंग स्वामीजी के पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया। राजनाथ सिंह ने शिवकुमार स्वामीजी की समाधि पर पूजा-अर्चना की। इस मौके पर राजनाथ सिंह ने कर्नाटक को आध्यात्मिकता और संगीत से जुड़े महान लोगों की भूमि बताते हुए कहा कि यहां बसवन्ना, अल्लामा प्रभु, पुरंदरदास और अक्कमहादेवी जैसे संत और कवि हुए। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में सिद्धगंगा मठ द्वारा किए गए योगदान को याद किया। समारोह में केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री बी. सोमन्ना, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, सुत्तूर मठ के श्री शिवरात्रिदेशिकेंद्र स्वामीजी और सिद्धगंगा मठ के उत्तराधिकारी शिवसिद्धेश्वर स्वामीजी सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तुमकूर के शिवकुमार स्वामीजी की 118वीं जयंती के अवसर पर सोशल मीडिया पर स्वामीजी की श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वामीजी समाज के लिए मार्गदर्शक प्रकाश थे और उन्होंने समाज को रास्ता दिखाया। प्रधानमंत्री ने मठ की अपनी यात्रा के दौरान पूज्य स्वामीजी के साथ बिताए पलों को याद करते हुए 1.17 मिनट का एक वीडियो साझा किया।

इटली में आयोजित स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड विंटर गेम्स में छाई गुजरात की दो दिव्यांग बेटियां

गांधीनगर,एजेंसी। इटली के ट्यूरिन में आयोजित स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड विंटर गेम्स (विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेल) में गुजरात की दो मनोदिव्यांग खिलाड़ियों ने प्रतिभा का परचम फहरा दिया। मेहसाणा की आशाबेन ठाकौर और दाहोद की पंकलबेन चौहान ने ट्यूरिन में फ्लोरबॉल खेल में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को कांस्य पदक दिलाने में अहम योगदान दिया। भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका वाली गुजरात की इन बेटियों ने अपने अद्भुत खेल कौशल से गुजरात और भारत का नाम रोशन किया है।फ्लोरबॉल हॉकी जैसा एक इनडोर खेल है, जिसे हल्की प्लास्टिक बॉल और विशिष्ट कार्बन फाइबर स्टिक के साथ खेला जाता है। उल्लेखनीय है कि इटली के ट्यूरिन में 8 से 15 मार्च के दौरान स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड विंटर गेम्स का आयोजन किया गया था, जिसमें भारत के 30 एथलीटों ने अलग-अलग खेलों में



हिस्सा लिया था, जिनमें से गुजरात की आशाबेन ठाकौर और पंकलबेन चौहान ने फ्लोरबॉल में शानदार प्रदर्शन किया। **स्पेशल महाकुंभ से निकला रास्ता:** अंतरराष्ट्रीय संगठन स्पेशल ओलंपिक के संदर्भ में, 'स्पेशल ओलंपिक भारत-गुजरात' स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात (एसएजी) द्वारा मान्यता प्राप्त एक नोडल संस्था है। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात की ओर से वर्ष 2010 से दिव्यांग श्रेणी के लिए स्पेशल खेल

महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए क्वालीफाई करते हैं और विभिन्न देशों में हर दो साल में आयोजित होने वाले वर्ल्ड गेम्स के लिए उनका चयन किया जाता है। खेल महाकुंभ ने आशाबेन और पंकलबेन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चैंपियन बनाने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ये दोनों खिलाड़ी 2010 से गुजरात सरकार की ओर से आयोजित किए जाने वाले स्पेशल खेल महाकुंभ में न केवल हिस्सा ले रही हैं, बल्कि विजेता बनकर उभरे हैं। महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए 16.50 लाख खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जो कि वर्ष 2024-25 में आयोजित खेल महाकुंभ 3.0 में बढ़कर रिकॉर्ड ब्रेक 71,30,834 तक पहुंच गया है।

कोलकाता,एजेंसी। जस्टिस दिनेश कुमार के दिल्ली उच्च न्यायालय से कलकत्ता उच्च न्यायालय ट्रांसफर किए जाने पर नाराजगी जताते हुए वकीलों के संगठनों ने विरोध जताया और विरोधस्वरूप जस्टिस दिनेश शर्मा के शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार करने का फैसला किया है। वकीलों के संगठनों ने मुख्य न्यायाधीश को शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होने की जानकारी दे दी है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वे जस्टिस दिनेश शर्मा की अदालत में भी पेश नहीं होंगे।

जस्टिस दिनेश शर्मा को न्यायिक जिम्मेदारी न देने की अपील: जस्टिस दिनेश शर्मा का बीते मंगलवार को ही दिल्ली उच्च न्यायालय से कलकत्ता उच्च न्यायालय स्थानांतरित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर सरकार ने यह स्थानांतरण किया है। बार एसोसिएशन, बार लाइब्रेरी क्लब और अन्य कानूनी संगठनों ने कलकत्ता उच्च न्यायालय मुख्य



न्यायाधीश से अपील की कि जस्टिस दिनेश शर्मा को कोई न्यायिक जिम्मेदारी न सौंपी जाए और अगर उन्हें न्यायिक जिम्मेदारी सौंपी गई तो बार एसोसिएशन के सदस्य सुनवाई में शामिल नहीं होंगे। कलकत्ता बार एसोसिएशन समेत अन्य संगठनों ने इस मुद्दे पर देश के मुख्य न्यायाधीश को भी पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने लिखा कि देश का सबसे पुराना संवैधानिक मंदिर होने के नाते कलकत्ता उच्च न्यायालय ऐसे जजों के स्थानांतरण का अधिकारी नहीं है, जिनकी छवि सचलों के घेरे में है। वकीलों के संगठनों ने

एडिशनल सॉलिसिटर जनरल और एडवोकेट जनरल को भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल न होने की अपील की। **जस्टिस शर्मा का क्यों हो रहा विरोध:** जस्टिस दिनेश शर्मा ने साल 1992 में दिल्ली न्यायिक सेवा में अपने न्यायिक करियर की शुरुआत की थी। साल 2003 में जस्टिस शर्मा दिल्ली उच्चतर न्यायिक सेवा में आगे बढ़े और साल 2022 में दिल्ली उच्च न्यायालय में बतौर जज जिम्मेदारी संभाली। बार एसोसिएशन, बार लाइब्रेरी क्लब और लॉ सोसायटी विरोध किया।



कोलकाता के मुकुंदपुर में वृद्ध दंपति की सदिग्ध परिस्थितियों में मौत, बेटे-बहू पर हत्या का आरोप

कोलकाता,एजेंसी। कोलकाता के मुकुंदपुर इलाके में एक वृद्ध दंपति की सदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बुधवार सुबह पूर्व-जादवपुर थाना क्षेत्र के एक घर से पति-पत्नी के शव बरामद किए गए। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का बताया जा रहा है, लेकिन कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मृतकों की बेटी ने अपने भाई और भाभी पर हत्या का आरोप लगाया है, जिससे मामला और उलझ गया है। दंपति की पहचान 65 वर्षीय दुलाल पाल और 58 वर्षीय रेखा पाल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दुलाल का शव घर के डाइनिंग रूम में फंदे से लटका मिला, जबकि उनकी पत्नी रेखा का शव बेडरूम में झूलता पाया गया। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। परिवार को विवाहित बेटी ने जब अपने माता-पिता को फोन किया और कोई जवाब नहीं मिला, तो उन्होंने पड़ोसियों से घर जाकर देखने को कहा। तभी यह चौंकाने वाली घटना सामने आई।

दंपति अपनी बहू और बेटे के साथ ही मुकुंदपुर के इस घर में रहते थे। बेटी का आरोप है कि उसके माता-पिता की हत्या उसके भाई सौरव पाल और उसकी पत्नी कल्याणी मंडल ने की है। सौरव पेशे से एक फिजियोथेरेपिस्ट है, जबकि

उसकी पत्नी एक निजी कंपनी में काम करती है। बेटी का दावा है कि मंगलवार रात भी उसके माता-पिता के साथ मारपीट की गई थी और पड़ोसियों ने घर से झगड़े की आवाजें सुनी थीं। मामले की जांच कर रही पुलिस के सामने कई सवाल हैं। अगर यह आत्महत्या थी, तो शव अलग-अलग कमरों में क्यों मिले? क्या पहले किसी एक की हत्या कर बाद में इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई? सुसाइड नोट किसने लिखा? इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। फिलहाल, पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, घटना के बाद से बेटा और बहू लाप रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह आत्महत्या थी या सुनियोजित हत्या। तो क्या भारतीय को इससे आत्मसात करने के लिए तैयार है? यदि नहीं तो केवल इस सपने के बारे में बात करने से कोई परिणाम नहीं निकलेगा। इसके अलावा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेंसर और इंटरनेट ऑफ थिंग्स, साइबर-फिजिकल सिस्टम, क्रांटेम तकनीक और ऑगमेंटेड और वर्चुअल रियलिटी में एमटेक जैसे आने वाले समय के कोर्सेज आईआईटी जोधपुर में चल रहे हैं।

देश में पहली बार ब्रिज इंजीनियरिंग व ड्रोन टेक्नोलॉजी में होगी एमटेक डिग्री जोधपुर आईआईटी की पहल, सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन शुरू

जोधपुर,एजेंसी। आने वाले समय में ड्रोन विशेषज्ञों की जरूरतों को देखते हुए जोधपुर आईआईटी ने पहल की है। यहां देश में पहली बार ब्रिज इंजीनियरिंग में एमटेक व ड्रोन और एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजी में स्पेशलाइज्ड एमटेक कोर्स शुरू होने जा रहा है। पुल निर्माण तकनीक में दक्षता बढ़ाने के लिए ब्रिज इंजीनियरिंग में आईआईटी एमटेक पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसके लिए आईआईटी जोधपुर में 2025-26 के सत्र के लिए एडमिशन शुरू हो गए हैं। आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश अग्रवाल ने बताया कि संस्थान के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में ड्रोन और एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजी में विशेष एमटेक कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। ड्रोन रक्षा, निगरानी, आपदा प्रबंधन, रसद, कृषि और शहरी गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में तेजी से बदलाव ला रहे हैं, जबकि काउंटर-ड्रोन तकनीक राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा के लिए तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। अग्रवाल ने बताया कि इस पाठ्यक्रम में एक अनूठी विशेषता है कि छात्र स्क्रीन से ड्रोन को इकट्ठा करेंगे। घटकों का विश्लेषण करेंगे। प्रदर्शन मीट्रिक की गणना करेंगे और उड़ान परीक्षण करेंगे। यह कोर्स बढ़ते उद्योग के लिए काफी लाभदायक होगा। उन्होंने बताया कि पूरी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई



गई है। इच्छुक उम्मीदवारों के पास इंजीनियरिंग या विज्ञान में स्नातक की डिग्री या संबंधित क्षेत्रों में स्नातकोत्तर डिग्री होनी चाहिए। पंद्रह अप्रैल तक आवेदन किए जा सकते हैं। **पुल निर्माण के लिए इंजीनियरिंग:** निदेशक ने बताया कि ब्रिज इंजीनियरिंग में एमटेक प्रभावशाली कोर्स है। आईआईटी जोधपुर के सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तैयार किया गया यह देश का पहला ब्रिज इंजीनियरिंग का एमटेक कोर्स है। इसे विशेष रूप पुल डिजाइन, निर्माण और रखरखाव में आधुनिक चुनौतियों का समाधान करने के

लिए डिजाइन किया गया है। इसमें प्रीस्ट्रेंड कंक्रीट, केबल-सपोर्टेड ब्रिज और उन्नत या संबंधित क्षेत्रों में स्नातकोत्तर डिग्री होनी चाहिए। पंद्रह अप्रैल तक आवेदन किए जा सकते हैं। **अभी ये पाठ्यक्रम चल रहे:** संस्थान में बायोसाइंस और बायोइंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस और अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी, मैकेनिकल अभियांत्रिकी, केमिकल अभियांत्रिकी, सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर अभियांत्रिकी, गणित और मेटलर्जिकल और मैटेरियल अभियांत्रिकी सहित विभिन्न विभागों में एमटेक हो रही है।

पटाखा गोदाम में विस्फोट के बाद परिवार की खुशियां तबाह; छह सदस्यों के शव लेकर परिजन मध्य प्रदेश रवाना

डीसा,एजेंसी। गुजरात के बनावसकांठा जिले में डीसा के पास अवैध पटाखा गोदाम में हुए भीषण विस्फोट में एक परिवार की खुशियां तबाह हो गईं। हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई, जिनके शवों को लेकर परिजन बुधवार को मध्य प्रदेश के लिए रवाना हो गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट में कुल 21 लोगों की मौत हुई है। मृतकों में पांच बच्चे की भी शामिल हैं, जो मध्य प्रदेश के देवास और ह्रदा जिलों के संदलपुर व हादिया के रहने वाले थे। उनके शवों को लेकर शव वाहन मध्य प्रदेश रवाना हो चुके हैं।



चंद्रसिंह नायक ने खोये परिवार के छह सदस्य: परिवार के छह सदस्यों को खोने के बाद चंद्रसिंह नायक ने अपना दर्द बयां किया। वह अहमदाबाद के ढोलका में एक प्लास्टिक फैक्ट्री में काम करते हैं। नायक ने कहा कि मंगलवार सुबह

दीपक ट्रेडर्स गोदाम में हुए विस्फोट में उसकी बेटी, दामाद, नाती राधा (3) और अभिषेक (10) की मौत हो गई। इसके अलावा, दामाद के परिवार के दो अन्य सदस्य भी हादसे की भेंट चढ़ गए।

बेटी-दामाद ने हाल ही में शुरू किया था काम: नायक ने बताया कि बेटी और दामाद ने हाल ही में गोदाम में काम शुरू किया था। जबकि, बेटी की शास पहले ही यहां काम कर चुकी थीं। नायक ने रोते हुए बताया कि मृतकों में से 10 लोग संदलपुर के और 11 लोग हादिया के रहने वाले थे।

10 एंबुलेंस में भेजे गए मृतकों के शव: डीसा ग्रामीण पुलिस थाने के इंस्पेक्टर बीजी प्रजापति के अनुसार, मृतकों के शवों को एंबुलेंस से उनके गांव भेजा गया है। अब तक दो-दो ताबूतों वाली 10 एंबुलेंस शवों को लेकर रवाना हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि शव वाहन

के साथ पुलिस वाहनों को भी भेजा गया है। **त्रासदी के लिए जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा:** हादसे के बाद मध्य प्रदेश के मंत्री नारायण सिंह चौहान डीसा पहुंचे। गुजरात के उद्योग मंत्री बलवंत सिंह राजपूत ने उनके साथ थे। मंत्री चौहान ने कहा कि दोनों राज्यों की सरकारें पीड़ितों और उनके परिवारों को राहत प्रदान करने के काम में जुटी हैं। यह बहुत दुखद घटना है। पूरा देश प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा है। वहीं, मंत्री राजपूत ने बनावसकांठा कलेक्टर मिहिर पटेल को निदेश दिया कि इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

भाजपा मुख्य अभियुक्तों को बचाने का कार्य कर रही है : दीपक बैज

रायपुर,एजेंसी। महादेव सट्टा ऐप मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने पर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। सीबीआई की छापामार कार्रवाई को लेकर कांग्रेस लगातार भाजपा सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने अपने बयान में कहा है कि सीबीआई छापामारी के बाद 21 से अधिक लोगों पर एफआईआर दर्ज किया गया है। केंद्रीय एजेंसियों के जरिए यह हमें डराना चाहते हैं। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्य सरगना सौरभ चंद्रकार का नाम 8वें नंबर पर लेकिन भूपेश बघेल का 6वें नंबर पर है। सरकार ने ऐसा करके मुख्य

अभियुक्तों को बचाने के लिए कार्य करने की मंशा स्पष्ट कर चुकी है। दीपक बैज ने सरकार पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि सरकार क्यों महादेव सट्टा बंद नहीं कर रही है? मंत्री से लेकर नेता की जेब महादेव सट्टा से भर रहा है। इसलिए कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश व केंद्र में भाजपा की सरकार है, इसके बावजूद सट्टा का कारोबार फल-फूल रहा है। भाजपा इसे बंद करने के बजाय विपक्ष को डराने धमकाने में लगी है जो अपने मंसूबे में कामयाब नहीं होने वाली है। उल्लेखनीय है कि सीबीआई ने महादेव सट्टा ऐप मामले में पूर्व मुख्यमंत्री बघेल को आरोपित बनाया है। इस मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है,

अनुसूचित जाति ,अनुसूचित जनजाति के समग्र विकास को लेकर कार्यालय आयोजित

राष्ट्र संवाद ब्यूरो
अशोक कुमार ठाकुर

बेगूसराय जिला अंतर्गत प्रत्येक महादलित टोला में विशेष विकास शिविर आयोजन करने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन प्रेक्षागृह आर्ट गैलरी कंकोल में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त, बेगूसराय, पंचायती राज पदाधिकारी बेगूसराय, जिला कल्याण पदाधिकारी बेगूसराय एवं अन्य द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया किया।

प्रशिक्षण कार्यशाला में निदेशक ग्रामीण विकास विभाग, जिला कल्याण पदाधिकारी बेगूसराय, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी सभी प्रखंड के वरीय पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, सभी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, एवं अन्य



सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। बिहार महादलित विकास मिशन, पटना के निदेश पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के समग्र विकास हेतु कार्यशाला में उपस्थित सभी संबंधित पदाधिकारियों को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचिज जनजाति के सर्वांगीण विकास हेतु सरकार द्वारा संचालित विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं से छुटे लाभुकों को आच्छादित करने हेतु विशेष शिविर का आयोजन करने का निर्देश दिया गया। इसके तहत लाभुकों को राशन कार्ड, उच्चजला योजना, औपचारिक शिक्षा हेतु विद्यालय में

दाखिल, आंगनबाड़ी, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, कुशल युवा प्रोग्राम, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायत भत्ता, श्रमिक कार्ड, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, बास-भूमि, सामाजिक सुरक्षा से संबंधित पेंशन की योजना, बुनियादी केन्द्र से संबंधित योजना, हर घर नल-जल योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण पक्की गली-नाली योजना, मनरेगा जॉब कार्ड, प्रधानमंत्री जनधन योजना/ प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, बिजली कनेक्शन, जीविका समूह, ग्रामीण कार्य विभाग, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जायेगा।



जिसके लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को माइक्रोप्लान तैयार करने का निर्देश दिया है, ताकि विशेष विकास शिविर में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सभी लाभुकों को सभी योजनाओं से अच्छादित किया जा सके। शिविर के आयोजन पंचायत सचिव एवं विकास मित्र के द्वारा किया जायेगा, जिसमें सभी पंचायत स्तरीय कर्मी उपस्थित रहेंगे। इसके लिए पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी सेविका, महिला पर्यवेक्षिका, आशा कार्यकर्ता, टोला सेवक, विकास मित्र, पंचायत स्तरीय स्वच्छता पर्यवेक्षक

आदि के सक्रिस भूमिका को लेकर विशेष रूप से प्रतिनियुक्त करने की बात कही गई। उप विकास आयुक्त ने कहा कि शिविर आयोजन की तिथि से पूर्व संबंधित टोला में जाकर विकास मित्र, पंचायत सचिव एवं अन्य संबंधित कर्मी लाभुकों का आवेदन प्राप्त कर लेंगे ताकि शिविर में यथा-संभव ऑन स्पॉट निष्पादन करने का प्रयास किया जा सके साथ ही जो लाभुक पूर्व में आवेदन जमा नहीं कर सके हो वे शिविर में आवेदन जमा कर सकते हैं प्रत्येक कैप में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कोई भी लाभुक जिन्हें लाभ दिया गया हो, वह

अपनी सफलता की कहानी भी जनसभा को बताया जाये, इसकी तैयारी करने का निर्देश सभी संबंधित पदाधिकारी को दिया गया। शिविर में विकास मित्रों द्वारा अनुसूचित जाती एवं अनुसूचित जनजाति से संबंधित विशेष योजनाओं से भी सभी समुदायों के लोगों को अवगत कराया जाएगा। कैप लगने से पूर्व व्यापक प्रचार-प्रचार कराने का निर्देश भी संबंधित पदाधिकारी को दिया गया, ताकि कैप में अधिक से अधिक लोग आकर सरकार द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचिज जनजाति के लिए चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो सके। बताते चलें की विशेष विकास शिविर की शुरूआत जिला स्तर पर 14 अप्रैल 2025 को महा शिविर के आयोजन से किया जायेगा, इसके बाद प्रखंड स्तर से 19 अप्रैल 2025 से विशेष शिविर रोज्टर वार लगाया जाएगा । शिविर आयोजन का स्थल अनुसूचित जाति मोहल्ले के सरकारी भवन अथवा मैदान में आयोजित किया जाएगा ।

कबाड़ी गोदाम में लगी आग , 20 लाख रुपए की संपत्ति जलकर राख ,फायर ब्रिगेड की टीम ने पाया काबू

राष्ट्र संवाद ब्यूरो
अशोक कुमार ठाकुर

बेगूसराय में बढ़ रही मौसम की गमाहट के बीच आग लगने का गिमासिला लगातार जारी है। रिफाइनरी थाना क्षेत्र के अंग्रेजी ढाला के समीप ठल-31 के किनारे एक कबाड़ी गोदाम हिस्से में भीषण आग लग गई। अगलगी में 20 लाख रुपए का नुकसान हुआ। फायर ब्रिगेड द्वारा काफी कोशिश के बाद आग पर काबू पाया।

कबाड़ी का एक ढेर पूरी तरह जलकर राख
वीडियो में स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि आग का काला गुबार काफी ऊंची उठ रहा है। दोपहर में संतोष पोद्दार के कबाड़ी गोदाम के अगले हिस्से में समान का ढेर रखा हुआ था, जिसमें अचानक आग लग



गई। हवा के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। हालांकि संयोग यह था कि कबाड़ी के ढेर के बाद खाली जगह थी। जिसके कारण आग एक ढेर में ही लग कर रह गई। आग की सूचना पर दमकल गाड़ी तुरंत मौके पर पहुंची और काफी कोशिश के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन जब तक आग पर काबू पाया जाता, तब तक कबाड़ी का एक ढेर पूरी तरह जल गया। क्षति का आकलन किया जा रहा है।

घटना के संबंध में पीड़ित संतोष पोद्दार ने बताया कि दोपहर में

गोदाम में आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद फायर ब्रिगेड टीम को सूचना दिया गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी कोशिश के बाद आग पर काबू आग पर काबू पाया जाता तब तक कबाड़ी का एक ढेर बुरी तरह से जलकर राख हो गया। घटना के संबंध में पीड़ित संतोष पोद्दार ने बताया कि दोपहर में गोदाम में आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली इसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक हमारे गोदाम में करीब 20 लाख रुपया की संपत्ति जल कर राख हो गई।

स्कूली बच्चों को ऑटो व इ-रिक्शा से ले जाने पर रोक से चालक व अभिभावक नाराज

राष्ट्र संवाद ब्यूरो
अशोक कुमार ठाकुर

जिले के दो हजार स्कूलों के पांच हजार बच्चे ऑटो व इ-रिक्शा की करते हैं सवारी

एक अप्रैल से स्कूली बच्चों को ऑटो और इ-रिक्शा से ले जाने पर प्रतिबंध शुरू हो गया है। इस आदेश से लगभग पांच हजार स्कूली बच्चे प्रभावित होंगे। हालांकि जिले के 90 फीसदी विद्यालय अभी फाइनेल परीक्षा होने के बाद बंद हैं। कुछ विद्यालयों में 02 अप्रैल के रीजल्ट की घोषणा की जायेगी। इसके बाद विद्यालय का नया सेशन शुरू होगा। सरकार की इस घोषणा से जहां एक ओर इ-रिक्शा और ऑटो चालक काफी परेशान दिख रहे हैं, वहीं विद्यालय प्रबंधन को भी सकते में डाल दिया है।

जितने भी विद्यालय में इ-रिक्शा और ऑटो से बच्चे विद्यालय जाते हैं, इसके लिए विद्यालय प्रबंधन को अलग से व्यवस्था करनी पड़ेगी। जिले के अधिकांश विद्यालयों के प्रबंधक इस मामले पर सोचने को विवश हैं.

200 विद्यालयों में इ-रिक्शा से जाते हैं बच्चे एक आंकड़े की बात करें तो लगभग 200 निजी विद्यालयों में इ-रिक्शा और ऑटो से बच्चे विद्यालय जाते हैं. अब इन बच्चों के लिए विद्यालय प्रबंधक को बस अथवा मिनी बस की व्यवस्था करनी पड़ेगी. वहीं, कई ऐसे भी बच्चे हैं, जिनके अभिभावक निजी तौर पर भी इ-रिक्शा का उपयोग स्कूली बच्चों को लाने और ले जाने में करते हैं. ऐसे अभिभावकों के लिए बच्चों को स्कूल पहुंचाना और लाना सिरदर्द साबित होगा. दो हजार इ-रिक्शा बच्चों को



लाते-ले जाते हैं स्कूल जिले में लगभग 2,000 इ-रिक्शा निजी विद्यालय में बच्चों को पहुंचाने और लाने का काम करते हैं. अब इन इ-रिक्शा चालकों के लिए रोजी-रोटी का सवाल पैदा हो गया है. इ-रिक्शा छोटा होने की वजह से शहर के गली-कूची में भी जाकर स्कूली बच्चों को सहायित से ढो पाते हैं. लेकिन बस अथवा मिनी बस में रोड तक ही रह जाती है. ऐसे में बच्चों को स्कूल जाने के लिए घर से

चलकर मेन रोड पर आना पड़ेगा. वैसे अभिभावक जो निजी तौर पर अपने बच्चे को इ-रिक्शा से स्कूल भेजते हैं उनके सामने एक समस्या बन गयी है. **सरकार के निर्णय के खिलाफ आंदोलन शुरू** सरकार के इस फरमान को इ-रिक्शा चालकों ने बेबुनियाद बताया है. पिछले दिनों बेगूसराय में इ-रिक्शा चालकों ने एनएच- 31 के पास प्रदर्शन करते हुए नाराजगी जाहिर की थी. इस आदेश को

नाईसाफी बताया था. इस संबंध में इ-रिक्शा चालक संघ के अध्यक्ष अजीत अकेला ने बताया कि हमारे इ-रिक्शा चालक जो पिछले 20 वर्षों से चला रहे हैं. उनके इ-रिक्शा चढ़कर जाने वाले बच्चे आज डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक समेत कई विधा में परचम लहरा रहे हैं. चालकों ने बताया कि सड़क पर चलने वाले हर तरह के गाड़ियों से खतरा बना रहता है, तो फिर इ-रिक्शा पर बच्चों को ढोने से मनाही क्यों? **पर्यावरण के हित में बेहतर है इ-रिक्शा** इ-रिक्शा चालकों ने बताया कि जहां एक ओर सरकार इ-रिक्शा से स्कूली बच्चों को लाने और ले जाने पर पाबंदी लगा दी है. वहीं वह वाहन पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर है. बैटरी से चलने वाला इ-रिक्शा कार्बनडाइऑक्साइड का उत्सर्जन नहीं करता है. वहीं,

डीजल और पेट्रोल से चलने वाले वाहन पर्यावरण को दूषित करते हैं. अत्यधिक कार्बनडाइऑक्साइड का उत्सर्जन करते हैं. अपने निर्णय पर सरकार को विचार करना चाहिए बेगूसराय पब्लिक स्कूल एसोसिएशन के महासचिव मुकेश प्रियदर्शी ने कहा कि निजी विद्यालय कोई भी अपना इ-रिक्शा संचालित नहीं करता है. अभिभावक अपने सुविधा अनुसार इ-रिक्शा का उपयोग कर बच्चे को स्कूल भेजते हैं. सरकार के इस फैसले से जहां एक ओर अभिभावकों की परेशानी बढ़ जायेगी. वहीं स्कूल संचालक भी इस आदेश से प्रभावित होंगे. इ-रिक्शा और ऑटो के लिए सरकार को एक बार पुनः विचार करना चाहिए. सीट के मुताबिक बच्चों को बैठने की सुविधा समेत नियम में बदलाव कर सकती है।

जन सुराज के बखरी विधानसभा के संभावित प्रत्याशी शिवचंद्र पासवान का क्षेत्रीय दौरा, लोगों की समस्याओं से हो रहे रूबरू

राष्ट्र संवाद संवाददाता



बखरी/बेगूसराय बखरी विधानसभा क्षेत्र से संभावित प्रत्याशी और बखरी प्रखंड के प्रमुख शिवचंद्र पासवान इन दिनों क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। वे इस दौर के दौरान आम जनता से मिलकर उनके मुद्दों और समस्याओं से रूबरू हो रहे हैं। यह दौरा न केवल उनके आमामी चुनौती अभियान के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह उनके क्षेत्र के विकास और समाज की भलाई के लिए उनके समर्पण को भी दर्शाता है। शिवचंद्र पासवान का यह दौरा विभिन्न गांवों और कस्बों में हो रहा है, जहां वे स्थानीय लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं। उनका

मानना है कि आम जनता से सीधा संवाद स्थापित करने से ही उनकी समस्याओं का सही समाधान निकाला जा सकता है। इस दौरान उन्होंने जल, सड़क, बिजली, शिक्षा, और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी बुनियादी समस्याओं को प्राथमिकता दी। लोग उनसे अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीदें लगाए हुए हैं, और श्री पासवान इस उम्मीद को पूरी करने के लिए हर संभव प्रयास करने का वादा

कर रहे हैं। बखरी प्रखंड के विभिन्न हिस्सों में लोगों ने मुख्य रूप से जलसंचयन और बिजली संकट की शिकायत की। कई स्थानों पर जल संकट गंभीर रूप से महसूस किया जा रहा है, और किसानों को सिंचाई के लिए पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, कुछ गांवों में बिजली आपूर्ति की स्थिति भी चिंताजनक है, जिससे किसानों की खेती और ग्रामीण जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इन मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने का आश्वासन दिया और कहा कि वे इन समस्याओं को प्राथमिकता देंगे यदि उन्हें जनता का समर्थन मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि विकास की दिशा में काम करने के लिए जनता की सहभागिता बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समाजिक

कल्याण योजनाओं को लेकर भी अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कहा कि अगर वे विधानसभा चुनाव जीतते हैं, तो उनका पहला लक्ष्य हर घर में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना होगा। खासकर महिलाओं, बच्चों और वृद्धों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को लागू करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।आगामी चुनावी अभियान में हाइन सुराज्हा की अवधारणा को केन्द्रित किया है, जिसमें क्षेत्रीय विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार को प्रमुखता दी जाएगी। उनका मानना है कि बखरी विधानसभा क्षेत्र में हर वर्ग के लिए समावेशी विकास संभव है, यदि सही नीतियां और योजनाएं लागू की जाएं।इस दौरे में उनके साथ उनके समर्थक, कार्यकर्ता भी शामिल हैं।

15 हजार रुपये का इनामी अपराधी अपने सहयोगी के साथ गिरफ्तार

राष्ट्र संवाद संवाददाता

इनके पास से 02 देशी कट्टा, 03 जिन्दा कारतूस, 03 गोबाईल, एक बैग में 3.1 किलोग्राम गांजा जैसा पदार्थ, 01 जियो कम्पनी का राउटर, 01 आधार कार्ड, 01 ड्राईविंग लाइसेंस एवं 01 मोटरसाईकिल जप्त

बेगूसराय जिला के लोहियानगर थानातर्गत मिल्की गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम के द्वारा एक 15 हजार रुपए का इनामी अपराधकर्मी संजीत महतो को उसके सहयोगी के साथ ग्राम आनंदपुर रोड से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उनके पास से 02 देशी कट्टा, 03 जिन्दा कारतूस, 03 गोबाईल, एक बैग में



3.1 किलोग्राम गांजा जैसा पदार्थ, 01 जियो कम्पनी का राउटर, 01 आधार कार्ड, 01 ड्राईविंग लाइसेंस एवं 01 मोटरसाईकिल जप्त किया।घटना के बारे में सदर डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया कि लोहियानगर थाना को बीती रात जिला आसूचना ईकाई बेगूसराय के माध्यम से एक सूचना मिली की 02 अपराधकर्मी हथियार के साथ मोटरसाईकिल पर सवार होकर मंझील से बेगूसराय की तरफ जा रहे

को देखकर मुख्य सड़क को छोड़कर आनंदपुर सड़क की ओर भागने लगे जिसे पुलिस टीम के द्वारा खदेड़कर पकड़ा गया।पुलिस टीम के द्वारा पकड़ाए दोनों व्यक्तियों से पूछताछ करने पर अपना-अपना नाम 01. संजीत महतो, सा०-मकखाचक थाना-बखरी जिला-बेगूसराय और दूसरा प्रियदर्शी कुमार यादव उर्फ दर्शन, सा०-लैली चौक, थाना-अंगारवाट जिला-समस्तीपुर बताया। तलाशी में इनके पास से हथियार और अन्य सामान भी मिले। बरामद सभी सामानों को विधिवत जप्त करते हुए दोनों अपराधकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि पकड़ाये दोनों अपराधकर्मी पर कई केस पूर्व से दर्ज हैं। संजीत महतो पर बखरी थाना में कई काण्ड दर्ज हैं जबकि प्रियदर्शी कुमार उर्फ दर्शन पर फुलवारीशरीफ थाना में केस दर्ज है।

सार-संक्षेप

आपसी भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक है ईद मिलन त्यौहार: मोहित यादव



राष्ट्र संवाद ब्यूरो/ अशोक कुमार ठाकुर
बुधवार को तेघड़ा नगर परिषद वार्ड संख्या 2 हसनपुर पुरानी मस्जिद में ईद मिलन समारोह हुआ। आयोजित मिलन समारोह में हिंदू मुस्लिमों ने एक दूसरे को ईद की मुबारक दी। त्यौहार को आपसी भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक बताया। आयोजन राष्ट्रीय जनता दल अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मोहम्मद मकबूल आलम के नेतृत्व में किया गया। समारोह में शामिल राजद और विभिन्न राजनीतिक दल एवं समाजसेवियों ने एक-दूसरे से गले मिले। सभी ने देश और समाज में अमन-चैन बनाए रखने का संकल्प लिया। किसी ने शायरी सुनाई तो किसी ने त्यौहार के महत्व पर प्रकाश डाला। राजद के जिला अध्यक्ष मोहित यादव ने कहा कि ईद भाईचारे और सामाजिक समरसता का पर्व है। यह समाज में सौहार्द और शांति का संदेश देता है। सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी। इसके बाद आए हुए लोगों का अभिनंदन किया गया। और सेवई खिलाकर मुंह मीठा करवाया गया। इस दौरान राजद के जिला उपाध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि मुस्लिम समुदाय द्वारा इस तरह के आयोजन से क्षेत्र में सौहार्द की भावना बनी रहेगी जहां सर्व समाज को बुलाकर भाईचारा ,प्रेम, भाव, सद्भावना का माहौल हमेशा बरकरार रहेगा। मौके पर महानगर अध्यक्ष शिवजी महतो, व्यवसायिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बटन साह, महानगर उपाध्यक्ष महावीर यादव, युवा जिला अध्यक्ष दिलीप यादव, कांग्रेस के नेत्री रूचि सिंह, सेवा दल के जिला अध्यक्ष सरोज पासवान, नगर अध्यक्ष रणधीर मिश्रा, राजेश कुमार सरवन, जदयू के जिला उपाध्यक्ष देव कुमार, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि राजन कुमार, मदन चौधरी,संजय यादव उर्फ बौवा, दिनेश महतो, मनोज कुमार पंडित अफरोज आलम, अशोक सिंह सहित दर्जनों लोग शामिल हुए।

भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर हुई मारपीट में दो महिला समेत तीन जखमी, घटना बरियारपुर पूर्वी पंचायत के मसुराज गांव की

राष्ट्र संवाद
खोदावंदपुर,बेगूसराय। पुरानी भूमि विवाद को लेकर बरियारपुर पूर्वी पंचायत के मसुराज गांव में बुधवार को दो पक्षों के बीच जमकर हुई मारपीट की घटना में दो महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से जखमी हो गया. जखमी का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खोदावंदपुर में करवाया गया. घटना के संदर्भ में स्थानीय लोगों ने बताया कि अशोक साह अपने विवाद भूमि में लगे मक्के की फसल का पटवन कर रहे थे, तभी गांव के ही प्रमोद साह को लेकर अशोक साह व मुन्नी देवी ने पानी पटवन की फीता को काट दी. इसी बात को लेकर अशोक साह व मुन्नी देवी के बीच गाली-गलौज होने लगी. घटना की जानकारी मिलते ही युद्ध राइ और पानी गायत्री देवी, पुत्री सोनी कुमारी, रानी कुमारी, पागल साह की पत्नी लुखिया देवी समेत अन्य की भीड़ जुट गयी और लाठी डंडे व कत्तिया हसुआ से मारपीट कर अशोक साह को गंभीर रूप से जखमी कर दिया, जिसका इलाज नीजी क्लिनिक में चल रहा है. वहीं दूसरी ओर जखमी गुदर साह की पत्नी गैनी देवी ने स्थानीय पुलिस को दिये आवेदन में बताया है कि वह अपनी पुत्री रानी कुमारी के साथ मक्का की फसल देखने खेत गयी थी, जहां उसके पड़ोसी अशोक साह व उनके पुत्र सुजीत साह, भाई जितेन्द्र साह, विनोद साह, लक्खो साह, दिनेश साह, उपेन्द्र साह उसके मक्का की खेत को अपना खेत बताकर मां बेटी के साथ मारपीट किया, जिसमें दोनों मां गैनी देवी व पुत्री रानी कुमारी जखमी हो गयी. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुट गये.



एक युवती के साथ यौन अपराध करने वाला जीजा गिरफ्तार

राष्ट्र संवाद
बलिया/बेगूसराय। बलिया थाना अंतर्गत ग्राम भगतपुर में एक युवती के साथ हुई यौन अपराध मामले में सलिलत आरोपी को पुलिस टीम के द्वारा ग्राम भगतपुर, बलिया से किया गिरफ्तार कर लिया गया है। बलिया थाना को बीते रात्रि एक सूचना मिली की ग्राम भगतपुर में एक युवती के साथ उसके घर में चचेरा जीजा के द्वारा यौन अपराध की घटना की है। प्राप्त सूचना पर अविलंब बलिया थाने के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल बलिया थाना के द्वारा सूचानुसार ग्राम भगतपुर स्थित स्थल के पास पहुंचकर मामले की जांच / पड़ताल की। आसपास उपस्थित स्थानीय लोगों एवं उपस्थित परिजनों से पूछताछ करने पर बताया गया की पीड़ित युवती दिनांक-01.04.25 को सप्प करीब-08:00 बजे (बट) में घर पर थी उसी दौरान चचेरा जीजा रंजन पासवान पिता-बसंत पासवान ग्राम-पसरहा थाना-पसरहा जिला-खगड़िया के द्वारा घर पर पहुंचकर उसके साथ जबरदस्ती यौन अपराध किया गया। तत्पश्चात पुलिस टीम के द्वारा पीड़ित युवती का ईलाज / मेडिकल जांच करने हेतु महिला पुलिस पदाधिकारी के साथ सदर अस्पताल, बेगूसराय भेजा गया। बेगूसराय के एसपी मनीष ने घटित घटना को गंभीरता से लेते हुये निर्देशानुसार अमुमंडल पुलिस पदाधिकारी बलिया के नेतृत्व में बलिया थाने के पुलिस टीम के द्वारा सभी पहलुओं पर छानबीन करते हुये घटना में सलिलत व्यक्ति रंजन पासवान को भगतपुर, बलिया से गिरफ्तार किया गया।

कैसे-कैसे लोग

ललन शर्मा



न जाने कैसे-कैसे जीते हैं लोग हर सुबह नई अहसासों में जागकर, शाम को फुटपाथ पर, सो जाते हैं लोग। हर तरफ से चल रही आंधी, भ्रष्टाचार की, चेहरा बचाने के लिए, झंडों तले दुबक जाते हैं लोग। हर शास्त्र गुनाहों के दल-दल में, खड़ा हंस रहा हैं, फिर भी इनकी बातें सुनकर तालियां बजाते हैं लोग। हर गली की रौनक फना हो गयी हैं, सी लगती, अब किसी की चीखें सुनकर बारह नहीं आते हैं लोग। जिस राह पर कदम रखता हूँ ठोकरें लग ही जाती है , न जाने कैसे रास्ते, बना जाते हैं लोग।

बाबूजी

संगीता मिश्रा



हथेली कांटों से भर गई मिट्टी पर मेरी दास्तां छप गई आपकी गुड़िया थक गई, बाबू जी... अपना हाथ सर पर रख दो मद्धम पड़ती जा रही सांसों से कह दो जीने की उम्मीद दे जाओ न, बाबू जी... दुनिया की भीड़ ने सताया बहुत आसमां का चांद भी घबराया बहुत मीठी सी लोरी सुना दो न, बाबू जी.. आपकी नहीं परी कब बड़ी हुई ठोकरें और पथरों से हैं जड़ी हुई पांव के घाव सहला जाओ न, बाबू जी... गांव की मिट्टी की सुगंध भाती रही शहर की भागती इमारतें सताती रही अपनी हथेली का सहारा दे दो न, बाबू जी... मिट्टी के वो खिलौने, बचपन की आदतों से क्यों, सब गुमसुम हुए मेरे हालातों से बचपन मेरा लौटा जाओ न, बाबू जी... आपकी नहीं परी थक गई, बाबू जी... गोद में थपकी देकर सुलाओ न, बाबू जी..

सरस्वती वंदना

आरती श्रीवास्तव विपुला



माँ सरस्वती, हँसवाहिनी,बीणा वादिनी। सुन लो मेरी पुकार। मैं अज्ञानी जान न पाऊं कैसे करूँ मनुहार? तू सर्वज्ञ मझ्या मेरी सुन लो मेरी पुकार श्वेताम्बर श्वेत पुष्पों की माला अवीर सोहे तुम्हारे भाल। माँ----- दिव्य रूप है मझ्या तेरी दे दो दर्शन करो निहाल तू अलौकिक मझ्या मेरी करो मेरा कल्याण। माँ--- नही चाहूँ मैं धन और दौलत दे दो सद्बुद्धि ज्ञान। क्षणिक सुख में भूली मैं मझ्या परलोक दो सुधार। माँ।

राधा देख- देख

मुखारफ

लक्ष्मी सिंह 'रूबी'



उसकी उड़ती काली जुल्फें,

कान्हा का मन भरमाती। राधा देख- देख मुस्कार, ठुमक- ठुमक के है आती॥ चार हुए सकुचाते नैना, शमातें गिरधारी से। राधा के कजरारे नैना, मुस्काते फुलवारी से॥ घबराई शरमाई राधा, कान्हा के उर को भाती। उसकी उड़ती काली जुल्फें, कान्हा का मन भरमाती ॥ बसा हृदय में राधा जी को, मोहन प्रीत लगाए हैं । बृषभानुजा की अनुराग मे, कृष्ण बहुत ही भाए हैं ॥ रास रचाती, वृन्दावन में, मधुर गीत श्यामा गाती। उसकी उड़ती काली जुल्फें, कान्हा का मन भरमाती॥ नाच रही है,राधा रानी, छम-छम पायलिया बाजे । देख लुभाते हैं गिरधारी, राधा पर चूनर साजे ॥ राधा तब वैजयंतीमाल , कान्हा को जा पहनाती। उसकी उड़ती काली जुल्फें, कान्हा का मन भरमाती॥

उसी स्थान को प्रभु ने स्वर्ग बना दिया सुदीप्ता जेठी राउत



जहां सत्य का जला दीया जहां प्रेम ने प्रेम से प्रेम किया जहां संस्कृति की बहती धारा उसी स्थान को प्रभु ने स्वर्ग बना दिया। जहां रघुकुल सी परंपरा चले जहां कोई किसी को न छले जहां रिश्तों को विश्वास के गांठ से बांध दिया। उसी स्थान को प्रभु ने स्वर्ग बना दिया। जहां ईसानियत ही सबसे बड़ा धर्म हो मिट्टी और देश के लिए ही हर कर्म हो लोभ, क्रोध, अहंकार ईर्ष्या का जहां विसर्जन किया उसी स्थान को प्रभु ने स्वर्ग बना दिया। जहां बड़ों का आदर और मान हो जहां हर रिश्तों का उचित सम्मान हो। जाति धर्म और भेदभाव का लकीर जहां मिटा दिया। उसी स्थान को प्रभु ने स्वर्ग बना दिया।

अब पराग नंदन कहाँ दीपक वर्मा दीप



अब पराग नंदन कहाँ, कहाँ मधु-मुस्कान। लोटपोट , चंदामामा और चंपक गुणगान। कहाँ गया वो अपना इंद्रजाल कॉमिक्स, वो चलता-फिरता प्रेत वो मैट्रिक के ट्रिक्स। वो पंचतंत्र, वो अमर चित्र कथा और वो बचपन नादान। अब पराग नंदन कहाँ.... कहाँ गया वो पंचतंत्र, वो जंगल बुक, और वो विक्रम वेताल। मोंटू-पतलू,छोटू-लंबू और हाँ ! वो क्रॉस वर्ड के सवाल ! वो सरस-सलिल मुक्का सरिता और, गुहशोभा का मान। अब पराग नंदन कहाँ.... सब कहते हैं कि, चाचा चौधरी का दिमाग, था क्यूटर से तेज। और उनका साबू, ज्यूंपिटर का प्राणी, खाना खाता था वेज। वो बिल्लू-टिल्लू,पिंकी-अंकुर, सब थे चतुर सुजान। अब पराग नंदन कहाँ.... अब न रहा वो धर्मयुग, न साप्ताहिक हिंदुस्तान। अब न रहे आबिद सुरती अब न रहे वो प्राण। अब न रहे वो महान आर के लक्ष्मण, अब न रहा दिनमान।

अब पराग नंदन कहाँ... तब घर-घर में था विजडम, और था रीडर डाइजेस्ट। मिलती थी हर बुक स्टॉल पर विज्ञान प्रगति और, सीएसआर द बेस्ट। तब पत्र-पत्रिकाओं में ही मिलता था, सारी दुनिया का ज्ञान। अब पराग नंदन कहाँ... अब मोबाइल में दुनियाँ, और दुनियाँ में मोबाइल। रिश्ते भी ऐसे बनते, जैसे कि फेक प्रोफाइल। डाल देते हैं हम एडिट कर, उसमें झूठी शान। अब पराग नंदन कहाँ...

बदलता वक्त सुखवीर कौर



बदलता वक्त देखा था बचपन में लकड़ी के पटरी के नीचे चक्के चार लगे हुए उसपर बैठा पत्नी को ,, पति खींच रहा था गली-गली,मोहल्ले मोहल्ले यही तरीका था उसके भीख मांगने का वक्त बदला भीख मांगने के तरीके भी गए बदल देखा था दशको उपरांत लकड़ी के पटरी के नीचे चक्के चार लगे हुए उसपर बैठा गर्भवती पत्नी को पति खींच रहा था गांव -गांव,शहर - शहर (करोना काल में) यही तरीका था प्रवासी मजदूर के पुनः अपने घर लौटने का वक्त बदला बुलेट ट्रेन के सपने भी गए बदल ।

नहीं भावना में बहना डॉ वीणा पाण्डेय 'भारती'



मैंने यह अपराध किया, लक्ष्मण रेखा पार कियो बनी युद्ध का कारण मैं, निज जीवन बेजार किया सोने का मृग देखा तो, की पाने की अभिलाषा छल पर क्यों विश्वास किया, जगो नहीं क्यों जिज्ञासा तनिक ठहर जो जाती मैं सद-विवेक के डेरे में कपटी रावण से बचती रहती जो निज घेरे में यदि विवेक की सुनती तो आती नहीं छलावों में अग्नि परीक्षा क्यों देती जीवित देह अलावों में संस्कृति का आंचल ओढ़े मर्यादित जीवन जीती सुखमय जीवन का अमृत, पति के हाथों से पीती इसीलिए युग की सीते मर्यादा में ही रहना निर्णय हो विवेक से बस नहीं भावना में बहना

सूना पड़ा है--- सुरेश चंद्र झा



सूना पड़ा है तेरा आंगन सूना हुआ है मन उपवन पायल की रूनुबुन से वंचित हो गया घर का यह प्रांगण सूना पड़ा है--- बूट नहारे मेरे नयना आस में तेरी रूंध गए बयना सही न जाये विरह की पीड़ा बेबस मन नहीं पाए चैना सूना पड़ा है--- चांदनी रातें होती थी निखरी अब लगती हैं बिखरी बिखरी मन में अमावस छाप न ऐसा बीती घड़ियाँ हो जाए बिसरी सूना पड़ा है---- पृष्ठ जब कोई तेरी बातें बोझिल होकर झुकती आंखें खैर खबर नहीं तुम तक पहुंचे

आ जाओ तुम फैला कर बाँहें सूना पड़ा है-

सरसी छंद-तीन मुक्तक ,तीन रंग विनोद वेगाना



1. अधरों पर मुस्कान सजा कर,रचते धोखा जाल। चाल ढाल मोहक मुद्रा से,करता वो बेहाल। छल छर्छों से भरी नीति को,समझ न पाते लोग। होता है तलवार सरिस वो,जिसे समझते ढाल॥ 2. सब किस्मत के खेल हैं बंधु,अजब-गजब संसार। चोर तिजोरी का मालिक है,सज्जन पहरेदार। तेल बेचता पढ़ा लिखा भी,मिला नहीं जो काम। बिना पढ़े नेता बनवा दे,संविधान,सरकार॥ 3. क्यों हम लड़ते जात-पात पर,करते सदा बवाल। ऊँच नीच की बातें मन में, क्यों रक्खा है पाल। फिर उन्नत कैसे होगा यह,अपना भारतवर्ष, सबको मिलकर सुलझाना है,बाकी बहुत सवाल।

नव संवत्सर आनंद प्रकाश डॉ आशा गुप्ता 'श्रेया'



आया चैत्र प्रतिपदा दिवस देवी माता नवरात्रि सुवास करो स्वीकार माता अर्चन नव संवत्सर संग नव प्रकाश ! भारतीय हर प्रांत मनाये पर्व भादृसीर्वा कहीं बीहू उत्सव चेती चाँद उगाड़ी अनेक नाम उल्लसित जन आया प्रकाश ! पेड़ पौधे झूमें नव पल्लवित आम्र मंजरी पंक्षी गाये उमंग खेतों में तैयार अन्न बालियाँ सुख अनुभूति विश्वास प्रकाश ! सुंदर मानवीय मूल्यों नमन शांति समृद्धि भरा जीवन आइए करें सदा हम सुकर्म नवसंवत्सर पथ नव प्रकाश ! प्रगतिशील पथ सही दिशायें संस्कृति ढंग सदा समझायें जीवन मूल्य और आराधना राम महिमा भरा सुख प्रकाश ! स्वागत आया नव संवत्सर पल्लवित भाव हो मकरंद पुष्पित करें सभी सत्य सुख नवसंवत्सर आनंद प्रकाश !

ओ मेरी गौरैया रानी अनिता निधि



ओ गौरैया रानी मेरी आंगन की थी तू महारानी रोज सवरे आंगन में तेरी चीं चीं की संगीत सुनती थी तेरी सुरीली बोली पर मेरी नींद टूटती थी हो गई भोर,,,तब मैं अंगड़ाई लेती थी भात बनाने को जब माँ चावल बिनती थी चावल के कण तू तब चुगती थी आंगन में रखा पानी का भरा कटोरा था तू उससे प्यास बुझाती थी। आंगन में खड़ा शम्मी के पेड़ पर तेरा बसेरा था दिन भर तेरी चींची की आवाज से मेरे घर आंगन में चहल पहल थी कानों में मधुर संगीत बजती थी। घर में तेरा घोंसला कभी पेड़ पर बना तेरा घोंसला तेरे चूजों की मीठी

आवाज आती थी। ओ गौरैया रानी अब तू कहाँ गई? बहुत दिन हुए तू दिखाई नहीं दी! हां,,, कैसे दिखाई देगी! अब तो कंक्रीट के जंगल उग आए हैं तेरा बसेरा लुट गया है अब वह आंगन की चहल पहल नहीं आंगन के कोने में पानी से भरा कटोरा नहीं। आ जा गौरैया रानी फिर से तू आ जा अपनी चींची से नवजीवन का संदेश सुना जा रआएगी वही भोरः इतना तो बता जा !

मेरी कविता नीता सागर चौधरी



मेरी कविता तुम हो मेरी कहानी तुम हो और तुमसे मैं क्या कहूँ मेरी दुनिया तुम हो। भावनाओं की सागर में शब्दों की मोती तुम हो और तुमसे मैं क्या कहूँ मेरी जिंदगानी तुम हो। रख हाथों में हाथ तेरा मैंने सफर तय किया तुम्हारा ही सहारा लेकर यह सफर बीत गया। जीवन के हर झंझावात लेखनी मेरा साथ दिया आँखों से बरसता सावन कागज पर लिख लिया। हर सुख दुख में कविता तुमने मेरा साथ दिया और तुमसे मैं क्या कहूँ तुम्हारे अंदर मैंने जिया। मुश्किल की घड़ी में तुमने मुझ में हिम्मत भर दिया और तुमसे मैं क्या कहूँ दुःख में हंसना सिखा दिया। जब तक मैं हूँ दुनिया में तुम भी रहना मेरे साथ और तुमसे मैं क्या कहूँ मत छोड़ना तुम मेरे हाथ।

पुलवामा हमले के वीर शहीदों के लिए नवीन कुमार अग्रवाल



ये समंदर तू भी तो , हां, रोया होगा रात भर बादलों में चाँद भी ना, सोया होगा रात भर राह में जब डोलियां शहीदों की आगे बढ़ी रास्तों की चांदनी ने धोया होगा रात भर चूड़ी, राखी, गोद,आँगन छोड़ कर सब चले गये सर्दी, गर्मी, बसंत,सावन छोड़ कर सब चले गये क्या कहे हम उन वतन के रखवालों की शान में सौंपकर अपना वतन छोड़ कर सब चले गये गम नहीं मरने का हमको,ना हीसला हमारा गया पर यही धोखा रहा कि धोखे से मारा गया

देखना कल से फिजा में यह खबर भी गुंजेंगी कश्मीर जो लेने गये तो पाक भी सारा गया माँ ना रोना दो घड़ी भी ये ना सह पाऊँगा मैं काम अधुरा रह गया है लौट कर आऊँगा मैं कहर बन टूटूंगा उनपे,बिजली बन गिर जाऊँगा बन के बालल एक कवच सा देश पे छाऊँगा मैं मैं गया तो क्या हुआ लाखों अब जग जायेगे निकलेंगे दिल्ली से और लाहौर तक वो आयेगे जिस भाषा में वो समझे उस भाषा में समझायेगे ये शिखंडी ना सोचे कि भीष्म ना शस्त्र उठायेगे

अमझोरे जैसा गाँव लगे वसंत जमशेदपुरी



सान्निध्य तुम्हारा अमराई, प्रिय प्रीति नीम की छँव लगे। जब लगे थपेड़े लू के तब, अमझोरे जैसा गाँव लगे॥ जब धूप सताए तन को तो, तुम छछ लगे ताजा-ताजा। राबड़ी बाजरे की पीकर, ज्यों नींद कहे आज-आजा। तब प्याज-मिर्च, रोटी जैसा-बाँहों का शीतल ठाँव लगे॥ मन के माँदल पर थाप-सरिस, मनमीत तुम्हारी बातें वो, रह-रह कर हृद धड़काती हैं, चापाकल जैसी रातें वो। मधुवन में कोयल की कू-कू, सच बोलूँ मुझको काँव लगे॥ तुम लगे कभी लिट्टी-चोखा, धनिया -पोदने की चटनी। घी में ढूबी बाटी-जैसी, प्रिय दाल लगे मुझको मखनी। हाँ, सधे जुआरी-सा मुझको, मन को उमता हर दौंव लगे॥

दादी की होली रीना सिन्हा सलोनी



सफेद साड़ी में लिपटी दादी के पास रंग कभी नहीं आते थे कभी कोई छोटदार कुर्ती पहनती तो दिख जाते कुछ फोके रंग उनके पास सहमे से बैठे हुए उनका बिना बिंदी का झुर्रियों वाला चेहरा, सफेद बाल और खाली माँग कोरी कलाइयाँ सब बेरंग, कहीं भी कोई रंग न था फिर भी दादी की होली सबसे अलग थी, हमारे रंग से पुते रंगीन चेहरों को देख खुशी के रंगों से भर जाती वोद्व क्षण भर को दमक कर गुलाबी आभा से भर जाते सुखे गाल पैरों पर हम अबीर रखते और वो हमारे माथे पर हाथ, आशीर्वाद की झड़ी लगाती उनकी आँखें निहाल हो भींग जाती थी, नए कपड़े पहन गुलाल उड़ाते हम खो जाते होली के हुड़दंग में, और दादी चुप बैठी जाने क्या सोचती रहती, शायद पुराने दिन याद करती हो त्योहार होते ही ऐसे हैं किनीनी स्मृतिर्वा, किनीनी यादें साथ ले आते हैं

माँ प्रतिभा प्रसाद 'कुमकुम'



मैं जब-जब रोयी माँ ने गले लगाया । काम छोड़ कर दौड़ दौड़ कर मुझको दूध पिलाया । जब थोड़ी मैं बड़ी हो गई मुझको काम सिखाया । पढ़ना लिखना सीना बुनना सब कुछ ही बतलाया । बीस बरस की जब हो गई तो व्याह मेरा करवाया । ससुर कुल की सारी रीतें छण-छण में समझाया । भूल चूक पर चुप रहना भी मौन ध्यान सिखलाया । सीखा-पढ़ाकर ज्ञान दिलाकर नेह व्यापार दिखाया । अब मैं माँ हूँ वही प्रक्रिया मैं भी दुहराती हूँ । लेकिन अब तो सुता न माने परिवार को झुटलाती है । सिर्फ नौकरी और रुपैया को अपना मीत बताती है । मैं उलझन में, चिंतन में हूँ, अब कैसे परिवार बचेगा । यदि लड़ियाँ गृहस्थी से मुंह मोड़ीं तो । सिमट-सिमट कर रिश्ते छूटेंगे परिवार नहीं बच पाएगा । माँ शब्द कहने-सुनने को कौन धरा पर आयेगा ॥

गजल पूनम सिन्हा भाव शिखा



वसंत आया गमकता गुलशन, गुलों में रंगत खिली-खिली है ढ़ सभी दिशा में खुशी है बिखरी, दिलों में चाहत खिली-खिली है ढ़ अदा में नखरे, खुले हैं गेसु, नजर में नुस्खे भरी हुई हैं ढ़ तुम्हारी सूरत लुभाए मुझको, मेरी मुहब्बत खिली-खिली है ढ़ बिना तुम्हारे अधूरा जीवन, रहा भटकता गली-गली में, मिले जो तुम तो बहार आई दिलों में चाहत खिली-खिली है । न शिकवा तुम्हे है मुझसे, मुझे भी तुमसे कहीं गिला है ! हुई है जन्नत ये अपनी दुनिया, हमारी हसरत खिली-खिली है ढ़ दिली-तमन्ना हुई है पूरी, न लाल-ओ-गौरव की आरजू अब अभी तो जीना, शिखा ने जाना अभी तो उल्टफ खिली-खिली है

होली के कुछ दोहे उषा झा



पावक बैठी होलिका, विष्णु भक्त ले गोद। अंत बुराई का हुआ,उर में उठा विनोद॥ पुष्पों की बर्षा हुई, हुआ शंख का नाद। नर-नारी सब खुश हुए,जिवित रहे प्रहलाद॥ मन में उठा उमंग है,खेल रहे धुरखेल। प्रथम होली मसान में, शिव होली अनमोल॥ खेले रंग गुलाल से ,कान्हा हैं चितचोर। राधा गोरी भिग गई, डालें रंग किशोर॥ बुरी आदतें छोड़ कर , करते अच्छ काम। आपस में मिलकर रहें, लेते प्रभु का नाम॥

मधुरता बांटती होली पद्या मिश्रा



जो रूटे और बिछड़े हैं,समय के तेज धारों में, उन्हें भी खेद के रंग में भिंगोती है यही होली. नए सपने,नई खुशबू,नवेली भावनाओं से, हर दामन जिन्दगी का खुशरंग करजातीयहीहोली जहां हर गीत कविता गजल के अक्षरों में भी नेह के रंग में सजे सपने सजाती है यही होली, कभी जब जिन्दगी के रंग,उथले और धूमिल हों, नई उम्मीद की मन में मधुरता बांटती होली., जो हमसे दूर हैं फिर भी जुड़े हैं तार घड़कन के, बढ़ाकर दोस्ती का हाथ ,पास लाती यही होली. न जाने किनीन दीवारे,बंटी हैआजयहदुनिया, उजाले बांटती, हंसती,हंसाती है यही होली.-- -पद्या मिश्रा , जमशेदपुर

सईयाँ ने पिली भंग छाया प्रसाद



सईयाँ ने पिली भंग, कर दी होली को बदरंग। मचा जब रंगों का हुड़दंग, झूमे भर के ,नई उमंग। लेके रंग और गुलाल, मनाने होली का त्यौहार, चल दिये होके हम तैयार। देख हमें, सब दौड़े आये, रंग गुलाल से हमें नहलाये। सईयां ने जब देखी भांग। मुर्गे सी लगाई वांग। मिला जब भांग का ग्लास, बुझाई सईयां ने अपनी प्यास। जब पी के हो गये टन, हो गई चाल उनकी बेदंग।

लम्बे-लम्बे कदम बढ़ाये, लंगड़ी चाल से चलते जाय। कभी लुहकते, कभी सँभलते, कभी ठुमके भी खुब लगाते, अटपटे से, गीत सुनाते। बिखरे बाल, हथे मुँह लाल, हँसते जाते, देते ताल। मुझे बहन जी कहते जाते, जब देखे मुझ से कतराते। मुझे देख डरते थे थोड़ा, डरकर बनजाते थे घोड़ा। टकबक - टकबक दौड़ लगाते कभी आगे ,कभी पीछे। खड़े हो जाते ,आँखें मिचे, जिसको चाहें वो कुछ कहते। कभी दीपिका, कभी कटरिना, कभी माधुरी, कभी रवीना, कभी अनुष्का शर्मा कहते। सबको अपनी बीबी समझते, अपने को सलमान बताते। चटनी को हलवा, कहते, हलवा को जाले हर दौंव लगे। शर्म से हो रही थी पानी। जब आँके कहते थे रानी। हो रहे सभी परेशान, मेरी तो अटकी थी,जान। कैसे इनको घर ले जाय, भांग पीने का मजा चखाये। ऐसे कटी होली की रात, सुबह उठे बिसरे सब बात। कहने लगे, डार्लिंग , क्या होली है आज।

तुम ही तो मेरी मां हो शारदे रीना गुप्ता श्रुति



तुम ही तो मेरी माँ हो शारदे इस भवसागर से मुझे उतार दे कमल पर विराजे तुम हंस वाहिनी सर पर मुकुट तेरे तुम वीणावादिनी आँखों में ममता लिए तुम वरदाविनी दिल में दया तेरे तुम पुस्तक धारिणी विद्या का हमें अधिकार दे तुम ही तो मेरी माँ हो शारदे मुझसे है अट्ट संबंध तेरा तेरे चरणों में ही माँ मेरा डेरा तू पाा लगा दे माँ मेरा बेड़ा तुम पर है अट्ट विश्वास मेरा बस तू मुझे अपना प्यार दे तुम ही तो मेरी माँ हो शारदे तेरी बेटी हूँ मैं तुझे ही पुकारू जब भी छाप मेरे जीवन में अंधेरा तुम्हें मैं ध्याऊँ तेरा ही गुण गाऊँ मेरे दिल में हो बस तेरा ही बसेरा मन में बस सुभाषित विचार दे तुम ही तो मेरी माँ हो शारदे ज्ञान की दिव्य ज्योति जलाकर अज्ञानता के अंधकार को मिटाओ

सदा शरद हस्तों का सहारा देकर सभी विघ्न बधाओं को हटाओ जीवन में उजाले का संचार दे तुम ही तो मेरी माँ हो शारदे कोई तमन्ना नहीं अब दिल में मेरे बस तेरी मर्जी पर ही हूँ मैं आश्रित तेरा हाथ रहे हमेशा सिर पर मेरे मैंने तो कर दिया यह जीवन समर्पित

मेरे सपनों को सही आकार दे तुम्हें तो मेरी माँ हो शारदे

अपने वीणा का करो ऐसा झंकार मिट जाए यहाँ जो छाया कदाचार अब न किसी पर हो कोई अत्याचार आपस में सबका हो मधुर व्यवहार अपने आशोषों का उपहार दे तुम्हें तो मेरी माँ हो शारदे इस भवसागर से मुझे उतार दे तुम्हीं तो मेरी माँ ओ शारदे

मौसम पूनम सिंह वत्सला

घरती और गगन के सजने का मौसम देखो सब। श्याम मेघ घनघना रहे हैं। सरगम वही पुराने बजने का मौसम देखो सब। चलकर नदी किनारे रमने का मौसम देखो सब। मन-कानन लहलहा रहे हैं। चहुँदिस रंग प्रीति के जमने का मौसम देखो सब। झुरमुटों की ओट से तकने का मौसम देखो सब। अङ्ग-अङ्ग कसमसा रहे हैं।

